दैनिक
कारखाने का सफर
मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

वर्ष 6, अंक 62 | भोपाल, शनिवार 13 सितंबर, 2025 | अश्विन कृष्ण पक्ष, षष्ठी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है...कि... पेज 5

तुलसी की गंध से प्रसन्न होते हैं सभी पितृ..... पेज 7

हिंसा पीड़ितों से मिलेंगे पीएम मोदी, शांति का संदेश देंगे

हिंसाग्रस्त मणिपुर में 8500 करोड़ को आज हरी झंडी

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली/इंफाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मणिपुर का दौरा करके चूड़ाचांदपुर एवं इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह उनका पहला दौरा होगा। उनके इम्फाल और चुराचांदपुर में एक रोड शो का नेतृत्व करने और हजारों लोगों की सभाओं को संबोधित करने की उम्मीद है। मोदी पहाड़ी और घाटी जिलों में 8,500 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे और 3 मई, 2023 को मैतेई और कुकी-ज़ो लोगों के बीच भड़की जातीय हिंसा के बाद अपने घरों से विस्थापित हुए लोगों से मिलेंगे।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री 8,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी करेंगे। मोदी के दौरे के मद्देनजर इंफाल और चूड़ाचांदपुर जिला मुख्यालय शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री के सभा स्थलों इंफाल में लगभग 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड तथा उसके आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।'' इसमें कहा गया कि मोदी इंफाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने प्रधानमंत्री के दौरे की शुक्रवार को पुष्टि की।राज्य का मोदी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब विपक्षी दल कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए कई बार आलोचना कर चुके हैं।मई 2023 से हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए।

गोयल ने प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी देते हुए बताया, ''दोपहर करीब 12:15 बजे चूड़ाचांदपुर पहुंचने पर वह सबसे पहले जिले के आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) से बातचीत करेंगे। वह राज्य में शुरू की जाने वाली विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।'' मुख्य सचिव ने कहा, ''इसके बाद, वह अपराह्न लगभग 2:30 बजे कांगला पहुंचकर सबसे पहले आंतरिक रूप से विस्थापित कुछ लोगों से बातचीत करेंगे। वह विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कांगला में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।'' परियोजनाओं में, प्रधानमंत्री इंफाल के मंत्रिपुखरी में 101 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए मणिपुर पुलिस मुख्यालय और उसी इलाके में 538 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक नागरिक सचिवालय का उद्घाटन करेंगे। चूड़ाचांदपुर से मोदी विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनमें 3,647 करोड़ रुपये की जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना और 550 करोड़ रुपये की मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट (एमआईएनडी) परियोजना शामिल है। यद्यपि मोदी के दौरे की आधिकारिक घोषणा शुक्रवार को ही की गई थी, लेकिन इसके बारे में लगभग दो सप्ताह से चर्चा जारी थी और मणिपुर सरकार ने बृहस्पतिवार शाम को एक बड़ा सूचना-पट्ट लगाया था। इसमें शनिवार को चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड और इंफाल के कांगला किले में प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की घोषणा की गई थी।

नेपाल में जस्टिस सुशीला कार्की बनीं अंतरिम पीएम

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी काठमांडू

नेपाल में जेन-जी आंदोलन के बाद अब अंतरिम सरकार का गठन किया जा चुका है। पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने पर पीएम मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने सुशीला कार्की को बधाई दी है। दरअसल, पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की पीएम के रूप में पद ग्रहण पर माननीय सुशीला कार्की जी को शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा कि नेपाल के भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है। बता दें कि शुक्रवार रात के करीब 9 बजे सुशील कार्की ने नेपाल के अंतरिम पीएम के रूप में शपथ ली। नेपाल के राष्ट्रपति ने उन्हें ये शपथ दिलाई। भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि एक करीबी पड़ोसी, एक लोकतांत्रिक देश और दीर्घकालिक विकास के साझेदार के रूप में भारत, दोनों देशों के लोगों और उनकी खुशहाली के लिए नेपाल के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

नेपाल में आम चुनाव 5 मार्च, 2026 को होंगे। इस चुनाव के बाद अंतरिम सरकार की जगह नेपाल को एक नई सरकार मिलेगी। बता दें कि नेपाल के अंतरिम पीएम के रूप में शपथ लेने के बाद वह देश की पहली महिला मुखिया के रूप में उभरी हैं। माना जा रहा है कि सुशीला कार्की के आने से भ्रष्टाचार-मुक्त की चाह रखने वाली जनता के लिए आशा की किरण के रूप में उभरी हैं।

उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर मथुरा में गठित प्रबंध समिति का फैसला

भगवान के सामने कोई वीआईपी नहीं, सबको लाइन में लग कर ही होंगे दर्शन

दैनिक कारखाने का सफर।
एजेंसी नई दिल्ली

श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति की विज्ञप्ति में बताया गया है कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने आज अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) पास तत्काल प्रभाव से बंद करने और दर्शन के लिए सीधा प्रसारण शुरू करने सहित कई बड़े फैसलों की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने एक बैठक में मंदिर में दर्शन एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाने का एक बड़ा प्रयास किया है। जिला सूचना अधिकारी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मंदिर में पर्ची कटाकर वीआईपी के तौर पर दर्शन करने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और इसके लिए वीआईपी कटघरा भी हटा दिया जाएगा।

विज्ञप्ति में बताया गया कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी।

विज्ञप्ति के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अगले तीन दिनों में यह तय कर देंगे कि किस-किस द्वार से प्रवेश होगा और किस-किस द्वार से निकासी की जा सकेगी। इसके अलावा अब मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अथवा निजी गार्डों के स्थान पर पूर्व सैनिकों अथवा प्रोफेशनल सुरक्षा एजेंसियों को सौंपी जाएगी। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब दर्शन के लिए मंदिर पहले से ज्यादा समय तक खुला रहेगा और यही नहीं दर्शनार्थियों को दुनिया के किसी भी कोने से ठाकुर जी के दर्शन प्राप्त करने की सुविधा भी जल्द ही शुरू की जाएगी।

विज्ञप्ति के मुताबिक, गर्मियों में मंदिर तीन घंटे और सर्दियों के दिनों में पौने तीन घंटे अधिक समय के लिए खुलेगा। समिति ने यह भी तय किया कि मंदिर के भवन का आईआईटी रुड़की से संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और यह भी पता लगाया जाए कि मंदिर के पास कुल कितनी चल-अचल संपत्ति है। समिति ने विशेष तौर पर वर्ष 2013 से 2016 तक के समय की अनियमितताओं की जांच के लिए विशेष ऑडिट कराने और 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट समिति के समक्ष रखने का भी निर्णय लिया है। समिति ने मंदिर के गर्भगृह में वर्षों से बंद कमरे को खोलने का निर्णय लिया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, इसके साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि यह रिकॉर्ड किया जा सके कि कमरे में क्या-क्या है।

बहरहाल, वृन्दावन का बांकेबिहारी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहाँ आने वाला हर भक्त अपने ईष्टदेव के दर्शन का वही अधिकार रखता है जो किसी और का है। ऐसे में मंदिर प्रशासन का 'वीआईपी दर्शन' बंद करने का निर्णय निस्संदेह स्वागत योग्य और समयोचित कदम है। अब तक की व्यवस्था में विशेषाधिकार प्राप्त लोग सीधे दर्शन कर लेते थे, जबकि आम श्रद्धालुओं को घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ता था। मंदिर जैसा पावन स्थल किसी भी तरह की असमानता का प्रतीक नहीं बनना चाहिए। भक्ति का मूल तत्व ही समानता और निष्काम भाव है। इस दृष्टि से यह निर्णय मंदिर की गरिमा और परंपरा दोनों को पुष्ट करता है। इस फैसले के दूरगामी लाभ भी होंगे। भीड़ प्रबंधन अधिक सहज होगा, असंतोष और अव्यवस्था की स्थिति कम होगी तथा सबसे महत्वपूर्ण, भक्तों को यह अनुभव होगा कि ईश्वर के सामने सब समान हैं। इससे मंदिर प्रशासन पर लगे व्यापारीकरण और विशेष वर्ग के प्रभाव की आलोचना भी स्वतः समाप्त हो जाएगी। श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति का यह कदम केवल एक धार्मिक स्थल की आंतरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को यह सांस्कृतिक संदेश भी देता है कि आस्था और भक्ति में कोई ऊँच-नीच, छोटा-बड़ा नहीं होता। जब सब भक्त एक ही पंक्ति में खड़े होकर दर्शन करेंगे, तभी भक्ति का सच्चा आनंद और संतोष मिलेगा।

भोजपाल गरबा महोत्सव दूसरा साल, सात दिनों तक आराधना के लिए तैयार हुआ जंबूरी मैदान

• काछी, तिमली, सनेड़ो, हुड्डो जैसी नई स्टाइल सीख रहे प्रतिभागी • गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों की टीम प्रतिभागियों को दे रही प्रशिक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी के जम्बूरी मैदान भेल में आयोजित होने वाले भोजपाल गरबा महोत्सव के लिए गरबा के लिए प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों को इस बार बहुत कुछ नया सीखने को मिल रहा है। इस बार प्रतिभागी 5 गरबा शैली, 5 डांडिया और 2 तीन ताली के साथ ही काछी, तिमली, सनेड़ो, हुड्डो जैसी नई स्टाइल सीख रहे हैं। यह सब भोजपाल गरबा महोत्सव में में देखने को मिलेगा। अहमदाबाद गुजरात से टीम के साथ प्रशिक्षण देने आए प्रशिक्षक राहुल गुप्ता ने बताया कि गुजरात की परंपरागत ढोल को हम यहां पर भी फॉलो कर रहे हैं। हमारी टीम में दो महिलाएं, 4 पुरुष सहित 6 ट्रेनर और दो ढोली हैं। हम सभी बीते पांच सालों से अधिक समय से गरबा की ट्रेनिंग दे रहे हैं।

शहर में कई जगह चल रहा प्रशिक्षण : शहर में श्री कृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा भेल और गुजराती भवन आनंद विहार स्कूल के सामने, 74 बंगला के साथ ही कई अन्य जगहों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन दोनों सेंटरों पर गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा 500 से ज्यादा प्रतिभागी सुर ताल के साथ अत्याधुनिक गरबा का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

प्रतिभागियों ने बताया हर दिन सीख रहे अलग स्टेप : प्रतिभागी नीलू बघेल, शिवानी शर्मा, अदिति बैरागी सहित अन्य प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान हर दिन अलग-अलग स्टेप सिखाया जा रहा है। शिवानी शर्मा ने बताया कि बीते पांच दिनों से प्रशिक्षण लेने आ रहे हैं। हमें अब तक बहुत कुछ सीख गए हैं। अदिति बैरागी ने बताया कि हम अब तक कई स्टेप सीख गए हैं। काफी तालमेल के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भोजपाल गरबा महोत्सव के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि बीते साल हुए सांस्कृतिक गरबा महोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। शहरवासियों की मांग पर इस बार सात दिनों तक आयोजन किया जाएगा। गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सात दिनों तक होगी आराधना : माता रानी की आराधना के लिए सात दिनों तक गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 23 से 29 सितम्बर तक आयोजित होने वाले गरबा महोत्सव के लिए रविवार से प्रशिक्षण शुरू हो गया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए गुजरात से विशेष प्रशिक्षित टीम को बुलाया गया है।

इनाम में मिलेगी, स्कूटी, सोना- चांदी : गरबा महोत्सव में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को सोने- चांदी के जेवरात सहित अन्य पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रशिक्षण लेकर गरबा करने वाले प्रथम आने वाले प्रतिभागी को एक्टिवा इनाम में दिया जाएगा। विशेष ईनाम में ज्वेलरी, टीवी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स सहित प्रतिदिन अन्य ईनाम दिया जाएगा। 1 लाख किलो वॉट के साउंड सिस्टम और म्यूजिकल बैंड पर प्रस्तुति दी जाएगी।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

उत्कृष्ट विद्यालय में साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान राज मंत्री बोले-

संघर्ष मानव जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता है संघर्ष से कभी ना घबराएं

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

अपने क्षेत्र के किसी बच्चे के समक्ष कोई समस्या नहीं आने दूंगा प्रत्येक बच्चे की समस्या को हल करने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं।मैं चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के हर बच्चे के हुनर को परखा जावे एवं उसके अनुरूप उसे शिक्षा के क्षेत्र में नूतन आयाम दिए जाएं उसके मार्ग में आने वाली समस्याओं को दूर की जाए में हर बच्चे के अभिभावक एवं बच्चों के साथ हूं मैं अपने विधानसभा के किसी भी बच्चे को किसी भी क्षेत्र में कोई परेशानी नहीं आने दूंगा उक्त बात शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित साइकिल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ गौतम टेटवाल ने व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान श्री टेटवाल ने कहा कि मैं मैं हर समय हर एक व्यक्ति हर एक बच्चे के साथ खड़ा रहूंगा प्रत्येक बच्चे से कहा कि आप एक बड़ा सपना देखें और उसे उन सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करें, संघर्ष मानव जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता है संघर्ष से कभी ना घबराए राष्ट्रीय कवि एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई की कविता जो बच्चों के उत्साह को बढ़ाती है सुन कर विधानसभा के सभी बच्चों को उत्साहित किया कार्यक्रम के पूर्व मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजयमंत्री डॉ टेटवाल का बीईओ सुरेश बिरमाल द्वारा पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान सारंगपुर के 71 छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई, वही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाडल्या माता के 91 छात्रों को साइकिल प्रदान की गई, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को 75 साइकिल वितरित की गई शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं को जिनकी लगभग 45 संख्या है साइकिल वितरित की गई। इस दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती भावना निलेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष श्री महेश पुष्पद जी, पार्षदगण, शिक्षकगण, बड़ी संख्या में विद्यार्थी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

करियर कॉलेज में मोटिवेशनल अतिथि व्याख्यान आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज की पीएडीसी सेल द्वारा ने अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मोटीवेशनल वक्ता श्री महेंद्र जोशी (सीईओ, सेरेब्रल लैब प्राइवेट लिमिटेड) ने " Beyond Looks and skills: what values define Real strength of personality " विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने व्यक्ति के व्यक्तित्व और चरित्र के निर्माण में मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए । इस बात पर ज़ोर दिया कि व्यक्तित्व की असली ताकत शारीरिक बनावट और कौशल से कहीं आगे जाती है, और इसे निम्नलिखित मूल्यों द्वारा परिभाषित किया जाता है जैसे ईमानदारी,सहानुभूति,लचीलापन, विनम्रता,करुणा इस व्याख्यान ने विभिन्न विभागों के छात्रों को अपने मूल्यों और प्राथमिकताओं पर विचार करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें चरित्र और व्यक्तित्व की एक मज़बूत भावना विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बालाजी गार्डन में निश्शुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

श्याम परिवार और चिरायु मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में एबी रोड स्थित बालाजी गार्डन में निश्शुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया । निशुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ गौतम टेटवाल एवं विशेष अतिथि नपा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा द्वारा किया गया।शिविर में मोतियाबिंद की जांच, मोतियाबिंद का आपरेशन एवं कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण टांका रहित एवं फेको पद्धति द्वारा, कम्प्यूटर द्वारा चश्में में नंबर की जांच, कांचबिंदु की जांच एवं उपचार, नासूर की जांच एवं आपरेशन, भैंगेपन की जांच एवं आपरेशन, आंखो के पर्दे की जांच एवं उपचार किया गया शिविर में 110लगों की आंखों की जांच की गई जिसमें 39 लोगों को ऑपरेशन एवं लेंस के लिए चयनित किया गया है। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. खालिद, डा. अनघा चौहान, डा. मयंक गुप्ता, डा. मानसी किसनानी द्वारा शिविर में सहयोग रहा।इस दौरान श्याम समिति अध्यक्ष नीलेश वर्मा, प्रकाश सोनी,महेश पाटीदार ,जुगराज विश्वकर्मा, मनीष मनीष चौरसिया ,कमल चौरसिया, सुरेश जाटव,धर्मेंद्र मालवीय, जितेंद्र मालवीय, हरीश पुष्पद,जितेंद्र पुष्पद,अंशुल पुष्पद, विजय अटनेरिया, संजू कुशवाह,गुंजन सोनी,मनीष सोनी,गोरधन दांगी,सहित आदि सदस्यों ने शिविर में सहयोग दिया।

एचई सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा रामलीला समिति की नई कार्यकारिणी का गठन, देवेन्द्र प्रताप बने अध्यक्ष

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा रामलीला समिति के महामंत्री अमर सिंह राठौर के निधन हो जाने के कारण नई कार्यकारिणी के गठन के लिए पिछले दिनों आयोजित एक बैठक में रामलीला स्टेज बरखेड़ा के संचालन के लिए सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी गठित की गई। नई कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक प्रदीप कुमार उपाध्याय, कार्यपालक निर्देशक भेल भोपाल संरक्षक टी.यू. सिंह महाप्रबंधक मानव संसाधन रूपेश तेलंग महाप्रबंधक आर.एच.पटेल महाप्रबंधक ,विकास खरे - महाप्रबंधक आलोक सेंगर - महाप्रबंधक जीपी. बघेल महाप्रबंधक रतन सिंह मीणा कमांडेंट (सीआईएसएफ) , आरिफ अहमद सिद्दीकी अपर महाप्रबंधक प्रशांत पाठक अपर महाप्रबंधक (न.प्र.) दीपक अस्थाना अस्टेटि कमांडेट (सीआईएसएफ), अध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सपन सुहाने, एके. सिंह, डीके कटियार, समीर पाल, देवेन्द्र बंछोर, एनपी सनोडिया, शंकर राव, अमरजीत सिंह, नरेन्द्र सिंह भंडारी उपाध्यक्ष पी.एन. सिंह, श्री सुनील विश्वकर्मा, विनय सिंह, अजय कुमार, नरेश परोलिया, दिनेश पाल, एसएन बाथम, जेपी सिंह, अर्जुन विश्वकर्मा, शैलेन्द्र दुबे, प्रदीप अग्रवाल, सारेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष राजेश चौधरी, महामंत्री सचिव मनोजसिंह जादौन मोहन सिंह, राकेश यादव, शेर सिंह तोमर, मुकेश ठाकरे, शांति लाल सूर्यवंशी तोरण सिंह मीणा, ओमप्रकाश पवार , गणेश नवघरे, सुधाकर बारंगे, रामलखन पटेल , दीपक दुबे, विजय राजकुमार, एनपी. सोनवानी, जसंत सिंह, अमर पाल सिंह कार्यकारिणी सदस्यों में शरद नारायण राजपूत, कमलेश यादव, शुभम गुप्ता, प्रभुनाथ सिंह, राजू गुप्ता, अनिल अग्निहोत्री, आकाश दुबे, रामेश्वर सांगले, सीएल. अहिरवार, अबदोन पन्ना, सीएल. चौधरी, राजकुमारख् महेश कुमार, रामसिंह, वीरेन्द्र यादव, सुनील सिंह शामिल है।

भोपाल में खुलेगी एनालिटिकल एंड बेनिफिशिएशन लेबोरेटरी, माइनिंग सचिव समेत हाईलेवल टीम ने किया आईआईएसईआर में निरीक्षण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रदेश की राजधानी भोपाल के आईआईएसईआर (भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान) में मॉडर्न और सर्वसुविधायुक्त एनालिटिकल एंड बेनिफिशिएशन लैबोरेटरी स्थापित की जाएगी। इसका उपयोग सरकारी, शैक्षणिक और उद्योग बेनिफिशरीज संयुक्त रूप से कर सकेंगे। इससे राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन के इंफ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत देश के खनिज प्रसंस्करण और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में भागीदारी बढ़ेगी। खनिज संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव और भू-विज्ञान एवं खनन निदेशालय के निदेशक फ्रैंक नोबल ए. के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल में विजिट किया। यह दौरा कटनी 'माइनिंग कॉन्क्लेव' के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के अंतर्गत खनिज अन्वेषण, बेनिफिशिएशन और अनुसंधान में सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार की खनिज अनुसंधान संबंधी प्रमुख पहलों पर चर्चा के बाद एमओयू पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया है। इसके अंतर्गत संयुक्त कार्य समूह का गठन कर ग्रेफाइट, रॉक फॉस्फेट और वेनेडियम संसाधनों के लिए त्वरित और रैंकिंग आधारित मिनरल टार्गेटिंग मॉडल विकसित करने के लिए अन्वेषण और एआई, एमएल आधारित प्रॉस्पेक्टिविटी मैपिंग में सहयोग बढ़ाया जाएगा।

एनालिटिकल और बेनिफिशिएशन प्रयोगशाला की स्थापना आईआईएसईआर भोपाल में स्थापित की जाएगी। प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए क्षमता निर्माण के लिए अयस्क विशेषता, भू-स्थानिक मैपिंग और रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों में उन्नत प्रशिक्षण मॉड्यूल पर जोर दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने आईआईएसईआर के उन्नत अनुसंधान और परीक्षण सुविधाओं का भी दौरा किया, जिसमें न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (NMR) लैब, लेजर स्पेक्ट्रोग्राफी यूनिट्स और स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सुविधाएं शामिल थीं। ये अत्याधुनिक संसाधन खनिज प्रसंस्करण, बेनिफिशिएशन, अनुसंधान और अन्वेषण विज्ञान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव उमराव ने कहा कि यह सहयोग मध्यप्रदेश का विशेष रूप से राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन के इंफ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत देश के खनिज प्रसंस्करण और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आज हिंदी के वैश्विक परिदृश्य पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र एवं हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 13 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजे हिंदी दिवस पखवाड़ा – 2025 के शुभारंभ अवसर पर "हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : कल, आज और कल" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और श्रीलंका के हिंदी विद्वान भागीदारी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ जवाहर कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं 'विश्व रंग' के निदेशक श्री संतोष चौबे करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। अतिथि वक्ता के रूप में श्रीमती रीता कौशल (ऑस्ट्रेलिया), श्रीमती पद्मा वीरसिंह (श्रीलंका), डॉ. वंदना मुकेश शर्मा (लंदन), श्रीमती अतिला कोतलावल (श्रीलंका), डॉ. के.सी. अजय कुमार (त्रिवेंद्रम, भारत) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण पाण्डेय करेंगे।

माइलस्टोन पब्लिक स्कूल में ली गई औषधीय पौधे आपके घर के आसपास की कार्यशाला

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

औषधीय पौधों की कार्यशाला और औषधि पौधों का रोपण पर्यावरण सखी नेआज माइलस्टोन पब्लिक स्कूल अकबरपुर शाला भवन परिसर में किया गया जहां पर छात्र-छात्राओं को औषधि पौधे आपके घर के आस-पास की जानकारी दी गई, गिरने पर चोट लगने पर मधुमक्खी के काट लेने पर बैरया के काट लेने पर किस तरीके से सिर्फ टन टनीं के रस से हम ठीक हो सकते हैं जख्म का निशान भी नहीं आएगा। और 5 दिन में नई चमड़ी आकर आप स्वस्थ हो जाएंगे। इसके साथ-साथ पपीते के पत्तों का उपयोग जाम के पत्तों से छाले कैसे हो गायब, सर्दी जुखाम में कैसे करेंगे हम पके हुए जाम का उपयोग उसको गैस पर रखकर गर्म करें और जब तक उसकी ऊपरी आवरण पूरा काला ना हो जाए। तब तक उसको देखते रहे बाद में उसे आवरण को कालेपन को

निकाल दें,और कुनकुना कुनकुना रात को सोने से पहले इसको खा ले सुबह से सर्दी जुकाम से निजात मिल जाएगी ना वायरस आएगा ना तबीयत खराब होगी। इसी तरीके से आँवले का उपयोग प्रातः अमृत फल आंवले का उपयोग करें, उसे खाएं और सदा स्वस्थ रहें ।आज वहां पर दम बेल के बारे में भी बताया गया अस्थमा के पेशेंट को उनके दो पत्ते खाना है। और किस तरीके से निजात मिलेगी इसके बारे में भी बताया गया। साथ ही भूमि आंवला ली 52 लिवर टॉनिक जिससे बनता है उसको उसके सेवन की भी विधि बताई गई पर्यावरण सखी सुधा दुबे और सुनील दुबे ने आज कार्यशाला में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों को भी को समझाया। कार्यशाला में 150 बच्चे और शिक्षक उपस्थित थे शाला की प्राचार्य दीप्ति शुक्ला ने भी इसमें रुचि दिखाई और आगे भी इस प्रकार की कार्यशाला लेने के लिए आमंत्रित किया।

स्व. जगदीश किंजल्क के कहानी संग्रह `अमानत' का लोकार्पण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सुप्रसिद्ध परिचर्चा सम्राट स्वर्गीय जगदीश किंजल्क के कहानी संग्रह "अमानत" का लोकार्पण दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, शिवाजी नगर भोपाल में दिनांक 13 सितंबर 2025 शनिवार को सायं 04:30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन साहित्य सदन भोपाल द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के अध्यक्ष, वरिष्ठ साहित्यकार एवं चुनाव आयुक्त मध्यप्रदेश, मनोज श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि-प्रसिद्ध कहानीकार मुकेश वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि शशांक (वरिष्ठ साहित्यकार) विजय लक्ष्मी विभा (वरिष्ठ कवयित्री एवं साहित्यकार), प्रियदर्शी खैरा (वरिष्ठ साहित्यकार) रहेंगे। पुस्तक की समीक्षा गोकुल सोनी (वरिष्ठ साहित्यकार) करेंगे। संचालन दिनेश प्रभात (वरिष्ठ गीतकार) के द्वारा किया जाएगा। पुस्तक का संपादन राजो किंजल्क के द्वारा किया गया है। कार्यक्रम का संयोजन अंशुल खरे एवं अद्वैत खरे द्वारा किया गया है। सभी साहित्य प्रेमीजनों से अनुरोध है कि अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान करें।

बीएचईएल, भोपाल में जून 2025 में नव पदोन्नत पर्यवेक्षकों के लिए छह दिवसीय होरिजन प्रोग्राम आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में जून 2025 में नव पदोन्नत पर्यवेक्षकों के लिए छह दिवसीय होरिजन प्रोग्राम के प्रथम सत्र का शुभारंभ विपुल अग्रवाल, महाप्रबंधक (एमएम) एवं कार्यक्रम का समापन टी यू सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया । इस अवसर पर सुरेखा बंछोर, अपर महाप्रबंधक (एचआरडी) उपस्थित थे । सत्र में कुल 45 नव पदोन्नत पर्यवेक्षकों ने प्रतिभागिता की । सभी पदोन्नत प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अग्रवाल ने कहा कि आप हमारे उत्पादन इकाई की सबसे महत्वपूर्ण चाबी हैं । आप हमारे कारखाने की वो कड़ी हैं जो कि अपने दायरे में हुए कार्य का वास्तविक इनपुट अपने से ऊपर (अधिकारी) स्तर पर पहुंचाते हैं । आपकी भूमिका उत्पादन के क्षेत्र में एक ब्रिज की तरह है; जहाँ से वास्तविक उत्पादन का आंकलन किया जाता है । उन्होंने सभी प्रतिभागियों से कहा कि आपके काम का व्यावहारिक तरीका ही हमारे उत्पाद की गुणता और लक्ष्य को निर्धारित करता है और पूरा भी करता है । इसीलिए आपका जोश अपने कार्यक्षेत्र में हमेशा बने रहना जरूरी है । साथ उन्होने सभी प्रतिभागियों को पदोन्नत होने पर नई

जिम्मेदारी निभाने के लिए शुभकामनाएँ दी . कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोलते हुए सिंह ने सभी प्रतिभागियों से कहा कि अब आपका रोल बदला है तो अब आप एक टीम लीडर की तरह कार्य करें ना कि बॉस की तरह । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सबसे पहले जरूरी है आपके लिए स्वयं अनुशासन और समय का पालन करना एवं अपने कार्य की पूर्व प्लानिंग करना है । ये तीन बातें आपको जीरो टोलरेंस की नीति अपनाने में मदद करेंगीं तभी और आप अपने साथियों से अच्छी तरह काम करा पाएंगे । अंत में सिंह ने सभी पदोन्नत प्रतिभागियों से सत्र के फीडबैक लिए एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए । कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कीर्ति सिंह, प्रबंधक (एचआरडी) ने किया ।

अंजुमन इस्लाम कमेटी ने गांव से 2.40 लाख रुपए की राशि एकत्रित कर भेजी पंजाब

दैनिक कारखाने का सफर। कोटरीकलां

पंजाब में प्राकृतिक आपदा से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और पीडितों को खाने-पीने के सामान के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में कोटरीकलां गांव की अंजुमन इस्लाम कमेटी ने सराहनीय पहल की है। कमेटी ने गांव के सभी मुस्लिम जनों की और से एकत्रित की गई 2.40 लाख रुपए की राशि आरटीजीएस के माध्यम से पंजाब के अहरार संस्था को भेजी है। संस्था पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए सुखा राशन,कपड़े , दवाइयां और अन्य जरूरत का सामान वितरण कर रही है। कमेटी ने बताया कि मुहिम में गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। गांव के लोग सहयोग कर रहे है। कमेटी का कहना है कि मुसीबत के समय एक दूसरे के काम आने वालों को अल्लाह बहुत पसंद करते हैं। उसी बात को ध्यान में रखते हुए पंजाब के सर्व समाज के लिए चंदा राशि जुटाई गई थी।
आगे भी यह मुहिम जारी रहेगी। इसके तहत पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए जो भी व्यक्ति मदद करना चाहता है वह कमेटी के पास राशि जमा करवा सकता है।

भोजपुरी समाज का दो दिवसीय जितिया महाव्रत आज नहाए खाए के साथ प्रारंभ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि भोजपुरी समाज का दो दिवसीय जितिया महाव्रत सप्तमी तिथि दिन शनिवार दिनांक 13 सितंबर 2025 नहाए खाए के साथ शुभारंभ इस दिन भोजपुरी समाज के महिलाएं गंगाजल मिलाकर स्नान करेंगी और शाम को सात्विक भोजन ग्रहण करती है जैसा की चावल तरोई की सब्जी दाल और आलू के लौकी के और कच्चे केले के पकोड़े बनाए जाते हैं इत्यादि को पूजा अर्चना के उपरांत प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं सभी व्रतधारी उसके बाद शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत। शीतल दास की बगिया कमला पार्क में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा जितियां की तैयारीयों को लेकर के साफ सफाई कर स्वच्छता घाट पर अभियान चलाया गया । 14 सितंबर 2025 दिन रविवार अष्टमी तिथि सारा दिन निर्जला व्रत रहेगा शाम को स्थान शीतल दास के बगिया कमला पार्क बड़े तालाब पहुंचकर स्नान करने के उपरांत समाज की सभी महिलाएं सामूहिक रूप से पूजा अर्चना और राजा जिमूतवाहन के कथा का सरवन करेंगी । 15 सितंबर नवमी तिथि को पारण होगा जिसका समापन होगा।

श्रीमती लक्ष्मी बाई जैन का समाधि पूर्वक मरण 77 दिन से चल रही थी संलेखना समाधि की क्रियाएं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी की श्रीमती लक्ष्मीबाई जैन निरंतर 77 दिन से समतापूर्वक समाधि की नियम संयम पूर्वक क्रियाएं कर रही थी, राजधानी में विराजमान साधु संघ आर्यका संघ का आशीर्वाद उन्हें मिला आज प्रातः 8:00 बजे मंगलवारा जैन मंदिर परिसर में समतापूर्वक समाधि मरण आर्यका सृष्टि भूषण माता जी के सा संघ सानिध्य में हुआ,, समाधि की अंतिम

क्रियाएं राजधानी के समीप तीर्थ क्षेत्र समसगढ में हुई जिसमें समाज के सभी वरिष्ठ जन उपस्थित थेनिरंतर 77 दिन से उन्होंने परिग्रह का आभूषण का घर का सभी भौतिक सुविधाओं का त्याग था ,,, और समय अनुसार अन्न जल का त्याग भी कर दिया था मुनि प्रमाण सागर महाराज द्वारा उन्हें दो प्रतिमाएं दी गई थी, ब्रह्मचारी आराधना दीदी गुना का विशेष निर्देशन था संपूर्ण समय स्वयं उपस्थित होकर णमोकार महामंत्र भक्तांमर का वाचन करती थी,,,,संपूर्ण परिवार अध्यात्म में लिप्तहोकर जैन सिद्धांत का पालन कर रहा था, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया उनका पूरा परिवार धर्म अध्यात्म और जैन सिद्धांत में लगकर धर्म प्रभाव ना कर रहा था गृहस्थ अवस्था के एक पुत्र मुनि अनुउत्तर सागर महाराज आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के संघ में वैराग्य धारण कर संयम की राह पर चल रहे हे वहीं दूसरे पुत्र ब्रह्मचारी अविनाश जैन जीवन पर्यंत्र नियम संयम में बंध कर देश-विदेश में धर्म और आध्यात्मिक अनुष्ठान करवाते हैं पति जमुना प्रसाद जैन द्वारा 92 वर्ष की आयु में आचार्य विद्यासागर महाराज से इंदौर में संलेखना समाधि ली गई दोनों बहने और दामाद भी जैन सिद्धांत और प्रतिमाओं को लेकर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर है।

शोक - संदेश

श्रीमती शांति देवी शर्मा

बड़े दुख के साथ यह सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री गोपाल शर्मा जी की धर्मपत्नी *श्रीमती शांति देवी शर्मा जी* का दिनांक 12-9-2025 को स्वर्गवास हो गया। जिनकी अंतिम यात्रा दिनांक 13-9-2025 शनिवार को सुबह 10 बजे निवास स्थान 253, कल्पना नगर, रायसेन रोड जैन मंदिर, सोनागिरी के पास भोपाल से सुभाष नगर विश्राम घाट के लिए प्रस्थान करेगी।

शोकाकुल :-

रामबाबू शर्मा (मिलन टेंट एण्ड कैटरिंग), मोहन शर्मा (घंटे वाले), रूपेश, अंकित, ध्रुव एवं समस्त शर्मा परिवार

मोबाइल - 9669494989, 9826058770

भारत को कूटनीति का Global Hub बना दिया

आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वैश्विक कूटनीति का हब बना दिया है। जिस दौर में दुनिया कई संकटों से जूझ रही है— यूरोप में युद्ध, मध्यपूर्व में अस्थिरता, एशिया में शक्ति संतुलन की चुनौतियाँ, उस दौर में लगभग हर राष्ट्राध्यक्ष भारत के प्रधानमंत्री से संवाद को प्राथमिकता दे रहा है। सोशल मीडिया से लेकर प्रत्यक्ष मुलाक़ातों तक, मोदी वैश्विक नेताओं के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सोशल मीडिया पर हुआ संवाद केवल व्यक्तिगत सौहार्द का संकेत नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि वैश्विक राजनीति के प्रभावशाली चेहरे भारत से सीधे जुड़ना चाहते हैं। दूसरी ओर, मॉरीशस के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा यह साबित करती है कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि विश्वसनीय भागीदार भी है। इटली, कतर और ईरान जैसे देशों के साथ हालिया बातचीत ने भारत की भूमिका को और स्पष्ट कर दिया है। कोई फोन पर शांति और स्थिरता पर चर्चा करता है, तो कोई भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौते की गति बढ़ाने पर जोर देता है। कोई आतंकवाद विरोधी सहयोग चाहता है, तो कोई भारत की तकनीकी और आर्थिक प्रगति से जुड़ने को उत्सुक है। यह परिदृश्य बताता है कि भारत अब मांग करने वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि आमंत्रित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। मोदी का वैश्विक कूटनीति में यह सक्रिय और संतुलित दृष्टिकोण भारत को "मध्यस्थ" और "विश्वसनीय आवाज़" दोनों बना रहा है। भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर रहा है, बल्कि वैश्विक चुनौतियों— चाहे वह जलवायु परिवर्तन हो, आतंकवाद हो या आर्थिक असमानता, पर ठोस पहल भी कर रहा है। आज हर देश भारत से हाथ मिलाना चाहता है, क्योंकि मोदी ने भारत को महज़ क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के धुरी के रूप में स्थापित कर दिया है। यह स्थिति न केवल भारत की बढ़ती ताक़त का प्रतीक है, बल्कि बदलते विश्व-क्रम में हमारे देश की निर्णायक भूमिका का भी प्रमाण है। खासतौर पर इस सप्ताह की कूटनीतिक हलचलों पर नजर डालें तो यह साफ होता है कि बदलते विश्व परिदृश्य में भारत अब केवल एक और देश नहीं, बल्कि सभी देशों के लिए एक अनिवार्य साझेदार बन गया है।

इटली से संबंध- 10 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच हुई वार्ता ने यह स्पष्ट किया कि भारत-इटली संबंध अब सामरिक साझेदारी के नए दौर में हैं। निवेश, रक्षा, विज्ञान, शिक्षा और आतंकवाद-निरोध जैसे क्षेत्रों में सहयोग केवल द्विपक्षीय रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे यूरोप को यह संदेश देता है कि भारत-ईयू संबंध भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में निर्णायक होंगे। देखा जाये तो भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को लेकर इटली का उत्साह और India-Middle East-Europe Economic Corridor में सहयोग इस बात की पुष्टि करता है।

कतर से वार्ता- कतर के अमीर से प्रधानमंत्री की बातचीत न केवल क्षेत्रीय संकट पर भारत की सक्रियता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि भारत अब मध्य पूर्व की शांति प्रक्रिया में एक विश्वसनीय खिलाड़ी है। दोहा हमलों की निंदा और गाज़ा संकट में कतर की मध्यस्थता को समर्थन देना भारत की उस नीति का हिस्सा है जिसमें वह आतंकवाद का स्पष्ट विरोध करते हुए संवाद और कूटनीति से समाधान खोजने पर जोर देता है। इससे यह संदेश गया कि भारत सिर्फ ऊर्जा-आयातक नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता का हितैषी साझेदार है।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन- मलेशिया में हुई पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की तैयारी बैठक में भारत ने न केवल रचनात्मक सहयोग का आश्वासन दिया बल्कि Mission LiFE और नालंदा विश्वविद्यालय में होने वाले उच्च शिक्षा सम्मेलन जैसे आयामों को सामने रखकर यह दिखाया कि भारत एशिया की साझा चुनौतियों (ऊर्जा, पर्यावरण, शिक्षा) का समाधान प्रस्तुत करने में अग्रणी है।

भारत-ईयू आतंकवाद संवाद- ब्रुसेल्स में हुई 15वीं भारत-यूरोपीय संघ आतंकवाद विरोधी वार्ता इस बात का प्रमाण है कि आतंकवाद को लेकर भारत का अनुभव और उसका ठोस दृष्टिकोण वैश्विक स्तर पर मान्यता पा रहा है। पहलगाम हमले पर यूरोप का भारत के साथ खड़ा होना और आतंकवाद की वित्तीय धारा रोकने से लेकर तकनीकी चुनौतियों तक पर मिलकर काम करने का संकल्प यह दिखाता है कि भारत अब सुरक्षा विमर्श का केंद्र है।

ईरान के साथ बातचीत- तेहरान में हुई भारत-ईरान राजनीतिक परामर्श यह दर्शाते हैं कि अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे और connectivity परियोजनाओं में भारत अपरिहार्य है। पश्चिम एशिया से मध्य एशिया और यूरोप तक के लिए भारत न केवल एक व्यापारिक मार्ग बल्कि एक सामरिक सेतु भी बन रहा है।

अमेरिका से संबंध- सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हालिया संवाद ने यह संदेश दिया कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं है। यह संवाद न केवल दोनों देशों के नेतृत्व की व्यक्तिगत समीपता को दर्शाता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका अमेरिकी विमर्श के केंद्र में है, चाहे नेतृत्व किसी भी पार्टी के हाथ में हो।

भारत-मॉरीशस संबंध- मॉरीशस के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा ने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक गहराई को उजागर किया। मॉरीशस लंबे समय से भारत का सांस्कृतिक और राजनीतिक साझेदार रहा है, पर हालिया वार्ता ने समुद्री सुरक्षा, डिजिटल सहयोग और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में नई संभावनाओं को जन्म दिया। इससे यह संकेत मिला कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर और विकास भागीदार, दोनों रूपों में स्वीकार की जा रही है। जहां तक यह सवाल है कि क्यों भारत अब वैश्विक गतिविधियों का केंद्र है? तो इसका जवाब यह है कि अमेरिका और यूरोप से लेकर रूस, ईरान और खाड़ी देशों तक, भारत ने सभी से संवाद बनाए रखा है। इसके अलावा, आतंकवाद और क्षेत्रीय संघर्षों पर भारत अब "दर्शक" नहीं, बल्कि "भागीदार" है। साथ ही निवेश, व्यापार और ऊर्जा गलियारों के जरिये भारत वैश्विक सप्लाई चेन का अभिन्न हिस्सा बन रहा है। इसके अलावा, नालंदा विश्वविद्यालय, Mission LiFE और वैश्विक शांति की वकालत से भारत अपनी सॉफ्ट पावर को भी मजबूत कर रहा है।

जेन-जी का दीवाल पर दो टूक मैसेज- बेवकूफ बनाना बंद करो!

भारत के लिए नेपाल का घटनाक्रम बहुत बड़ा खतरा है। किसी और देश श्रीलंका, बांग्लादेश के साथ हमारी उतनी समानता नहीं है जितनी नेपाल के साथ। सब की यही दुआ प्रार्थना है कि हमारे यहां ऐसा हिंसक आन्दोलन कभी न हो। भारत के लोकतंत्र ने हमेशा इस तरह की आशंका को फेल किया है। मगर वह तब था जब लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में था। चुनाव के जरिए परिवर्तन हो सकता था। होता था। लेकिन अब चुनाव की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़ा हो गया है। अभी तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव आयोग संदेह के घेरे में है। नेपाल के आन्दोलनकारी युवाओं ने अपने फेसबुक पेजों पर लिखा है कि हम आखिरी पीढ़ी हैं जिसे आपने बेवकूफ बना लिया। और यही बात नेपाल के आंदोलन, घटनाओं का सार है। यों बहुत सारे विश्लेषण हुए हैं और होते रहेंगे। मगर जो असली बात है वह यह है कि युवाओं के सब्र का बांध टूटने का समय आ गया है। इसे ऐसे समझिए कि युवा के पास समय कम होता जा रहा है। अच्छी और सस्ती शिक्षा और नौकरी दोनों की उम्मीद दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही। युवा अवस्था बीत जाएगी फिर क्या? नौकरी की उम्र खत्म। ओवर एज जो गाली की तरह हो गया है उसे लगातार सुनने का डर! समाज शास्त्र में मनोविज्ञान में एक हैप्पीनेस फार्मूला होता है। इसमें बताया जाता है कि खुशी का जो सबसे बड़ा दौर होता है वह युवा अवस्था में ही होता है। 20 साल की उम्र उसका सर्वोच्च पाइंट माना गया है। टीनएज से निकलते ही। ग्रेजुएशन पूरा हो जाता है। या कोई प्रोफेशनल कोर्स है तो वह पूरा होने वाला होता है। करियर के सपने उन्हें पूरा करने की तैयारियों का दौर। मगर करियर, नौकरी, संभावनाएं सब खत्म हो जाए तो फिर गुस्सा है। अंदर ही अंदर खौलता आक्रोश है। जनरेशन जी जिसे कहा जा रहा है वह अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। उसी का आन्दोलन है। 16 – 18 साल से लेकर 28 साल तक की उम्र के चेहरे दिखलाई दिए है। गौर कीजिएगा उन्हीं देशों में हो रहा है जहां सरकारें काम नहीं केवल बातें कर रही हैं। झूठे वादे, घोषणाएं, राष्ट्रवाद, युवाओं को केवल कर्तव्य याद दिलाने के काम हो रहे हैं। नेपाल, बांग्ला देश, श्रीलंका, अफगानिस्तान कहीं काम नहीं था। हुआ चीन में भी। बहुत भारी दमन हुआ। थ्येनमन चौक। मगर फिर काम दिया। नेपाल में कारण बहुत सारे हैं। एक तात्कालिक कारण सोशल मीडिया को बहुत हाईलाइट किया जा रहा है। धारणा इसी को कहते हैं। नरेटिव। सिस्टम को सूट करता है। अगर सोशल मीडिया बेन करना था तो वह तो फिर खोलना बहुत आसान था। खोल भी दिया था। सोमवार 8 सितम्बर को ही। जहां से हमने पढ़ कर लिखा है अब अगली पीढ़ी को हम बेवकूफ नहीं बनाने देंगे। मगर उसके बाद लडके मंगलवार 9 सितम्बर को संसद में घुसे। आग लगाई। एक पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को जिन्दा जला दिया। वर्तमान प्रधानमंत्री ओली का घर घेर लिया। हैलिकाप्टर से किसी तरह जान बचाकर निकले। सबसे घटना प्रधान दिन सोशल मीडिया से बेन हटाने के बाद ही हुआ। युवा का अंधकारमय भविष्य मुख्य कारण है। जैसा कि हमने बताया कि खुशी, उंमग के जो सबसे अच्छे दिन होते हैं 18 साल से शुरू होकर 24 -25 साल तक के वह सबसे अनिश्चितता के दिन बन गए। वह निश्चित और सुरक्षित भविष्य चाहता है। जिसकी दूर दूर तक कोई संभावना नजर नहीं आती। आक्रोश वहीं से फूटता है। भारत के लिए नेपाल का घटनाक्रम बहुत बड़ा खतरा है। किसी और देश श्रीलंका, बांग्लादेश के साथ हमारी उतनी समानता नहीं है जितनी नेपाल के साथ। सब की यही दुआ प्रार्थना है कि हमारे यहां ऐसा हिंसक आन्दोलन कभी न हो। भारत के लोकतंत्र ने हमेशा इस तरह की आशंका को फेल किया है। मगर वह तब था जब लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में था। चुनाव के जरिए परिवर्तन हो सकता था। होता था। लेकिन अब चुनाव की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़ा हो गया है। क्या चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र हो रहे हैं? यह सवाल हर तरफ है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र सेन्ट्रल बंगलुरू की एक विधानसभा महादेवपुरा के आंकड़ें सामने रखकर बता दिया कि वोट चोरी किस तरह हो रही है। कह रहे हैं कि इससे भी बड़ा सबूत उनके पास है जिसे वे जल्दी ही उजागर करने वाले हैं। बिहार में जिस तरह विषेश गहन पुनरीक्षण के नाम पर वोट काटे गए हैं उसने चुनावों की विश्वसनीयता पर और ज्यादा सवाल खड़े कर दिए हैं। चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट का आदेश मानने तक को तैयार नहीं है कि आधार को वोट बनाने के लिए एक दस्तावेज मानो।यह सब अच्छे संकेत नहीं हैं। हिंसा हमारे यहां कभी भी आन्दोलन का रूप नहीं रही। इसीलिए बार बार गांधी का नाम लिया जाता है। मगर पिछले 11 सालों में गांधी की अहिंसा पर ही सवाल किए जाने लगे। नाथुराम गोडसे का खुले आम समर्थन किया जाने लगा। हत्या को वध कहा जाने लगा। मारे जाने के कारण बताए जाने लगे। जिसका मतलब होता है हत्या को जस्टिफाई करना। वध का मतलब भी यही होता है सही ठहराना। शायद अब समझ में आ जाए कि गांधी की अहिंसा क्यों जरूरी है? अहिसंक आन्दोलन कमजोरी नहीं होता बल्कि ज्यादा ताकत की मांग करता है। आत्मिक ताकत। लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत। उन्हें आंदोलनजीवी कहकर मजाक उड़ाने के गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं। इसी तरह चुनाव पर विश्वास उठने के भी देश में पहला सत्ता परिवर्तन 1977 में हुआ था। जिन इन्दिरा गांधी को तानाशाह कहते नहीं थकते, हर साल इमरजेन्सी की याद करके उन्हें कोसते हैं उन्होंने आराम से सत्ता सौंप दी थी। दूसरी बार 1989 में राजीव गांधी ने। दोनों बार 1977 और 1989 में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से करवाए। और सत्ता हस्तातंरण भी शांति के साथ। खिलाड़ी भावना से। क्या आज देश में पहली बात कोई चुनाव उतने स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो जाने की गारंटी देने को तैयार है? अभी तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा कि चुनाव आयोग संदेह के घेरे में है। दूसरी बात सत्ता हस्तातंरण की। जब सत्ता पक्ष दस साल बीस साल पचास साल सरकार में रहने की बात कर रहा हो तो क्या कोई सोच सकता है कि यह आसानी से सत्ता छोड़ेंगे! राहुल गांधी ने अभी अपनी सफल बिहार यात्रा में बड़ा सवाल उठाया कि अमित शाह कहते हैं 40 – 50 साल सत्ता में रहेंगे। उन्हें कैसे मालूम। कोई कैसे कह सकता है? राहुल ने इसका जवाब दिया वोट चोरी से। यह वोट चोरी बड़ा सवाल बन गया है। नेपाल में भी यही गूंजा। वहां की हालत भी बिल्कुल ऐसी ही है। बड़ी बड़ी बातें। काम कुछ नहीं। दूसरों को भ्रष्टाचारी कहना और खुद पूरी सरकार पर आरोप ही आरोप। मगर हम तो दूध के धुले हैं। देश में अच्छी शिक्षा नहीं, सरकारी शिक्षा बंद प्राइवेट महंगी। सारे अच्छे विश्वविध्यालयों को बदनाम करना। और अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाना। भाजपा के बड़े नेताओं के बच्चे विदेशों में पढ़ते हैं यहां कहते हैं कि शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं हिन्दी और संस्कृत होना चाहिए। मध्य प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा हिन्दी माध्यम से शुरू कर दी। इसी प्रचार के लिए। करोड़ों रुपए खर्च किए। एक बच्चा नहीं पढ़ा। एक और बड़ी समस्या। जो भारत में सबसे ज्यादा है। गोदी मीडिया की। मोदी सरकार की हर बात सही ठहराने में लग जाती है। यहां तक कि मोदी के युवाओं को पकौड़े तलने की सलाह को भी। और साथ में नाले की गैस से चाय बनाकर डबल मुनाफा कमाने की स्कीम को भी। नेपाल में वहां के सबसे बड़े अख़बार कांतिपुर के दफ्तर में आग लगा दी गई। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मगर उसी में लेख लिखकर प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली बताते थे कि नेपाल कैसे तरक्की कर रहा है और युवा कैसे उनके साथ हैं। हमारे यहां भी मीडिया यही करता है। मीडिया एक माध्यम होता है युवा की इच्छाओं, आकांक्षाओं को स्वर देने का। यहां 11 साल से युवाओं को केवल कर्तव्य का पाठ पढ़ाया जा रहा है। शिक्षा रोजगार पर कोई चर्चा नहीं। नेहरू पर आरोप लगते हैं। हिन्दू मुसलमान होता है। सब वह सवाल उठते हैं जिससे युवा को भ्रमित किया जा सके। मगर जैसा कि हमने शुरू में लिखा कि आज का युवा कहने लगा है। जेन जी कि हमसे बाद आने वाली जनरेशन को भ्रमित नहीं करने देंगे। हमें बना लिया बेवकूफ! बस अब और नहीं ! और लास्ट कि परिवर्तन में कोई बुराई नहीं। मगर परिवर्तन के माध्यम लोकतंत्र चुनाव को खराब मत करो। युवा का विश्वास चुनाव पर रहने दो। इसलिए आन्दोलनजीवी शब्द को वापस लो। नए नए नामाकरण युवा के मन में प्रतिक्रिया पैदा करते हैं। युवाओं के बारे में आईटी सेल से नहीं समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों और खुद उनसे पूछो। सरकारें आएंगी, जाएंगी। 50 साल और सौ सालों की बातें मत करो। दक्षिण एशिया में केवल भारत बचा है। यहां के लोकतंत्र, असली लोकतंत्र, केवल बातों वाला नहीं के दम पर। युवा को विश्वास होना चाहिए कि अगर परिवर्तन चाहता है तो किसी हिंसक आंदोलन की जरूरत नहीं चुनाव से हो जाएगा।

-शकील अख़्तर

किसके सांसदों ने गड़बड़ी की!

यह लाख टके का सवाल है कि जब सारी विपक्षी पार्टियां एकजुट रहने का दावा कर रही हैं और कह रही हैं कि उसके सांसद नहीं टूटे या उसके सांसद ने क्रॉस वोटिंग नहीं की तो फिर एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को 15 वोट ज्यादा कैसे मिले? उप राष्ट्रपति के चुनाव में कुल 767 वैध वोट पड़े, जिसमें से 452 वोट राधाकृष्णन को मिले और तीन सौ वोट विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को मिले। इसके अलावा 15 वोट अमान्य हो गए और 14 सांसद वोटिंग से गैरहाजिर रहे। एक बड़ा सवाल तो यह पैदा होता है कि इतने प्रशिक्षण के बाद भी ऐसे कौन से 15 सांसद थे, जिन्होंने गलत तरीके से वोट डाला? एनडीए ने तो अपने सांसदों के लिए दो दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला लगाई थी, जिसमें खुद प्रधानमंत्री मोदी शामिल हुए। कांग्रेस ने भी पुरानी संसद के सेंट्रल हॉल में मॉक पोलिंग कराई फिर भी 15 सांसदों के वोट अमान्य हो गए। सभी पार्टियां पता लगाने में जुटी हैं कि जान बूझकर वोटिंग में गड़बड़ी की गई या अनजाने में गलती थी और गलती करने वाले कौन लोग हैं। लेकिन चूंकि इसमें गुप्त मतदान होता है तो वह पता लग पाना मुश्किल है। फिर भी इतना तो साफ दिख रहा है कि वोट में गड़बड़ी करने वाले सांसद विपक्षी खेमे के थे या ऐसे थे, जो दोनों गठबंधनों से दूरी बनाने का दावा करते हैं। ध्यान रहे सत्तापक्ष यानी एनडीए के पास दोनों सदनों को मिला कर 427 सदस्य हैं। दूसरी ओर विपक्ष यानी 'इंडिया' ब्लॉक के पास 315 सांसद हैं। यह संख्या 742 की बनती है। अभी दोनों सदनों के सदस्यों की संख्या 781 है। इस लिहाज से 39 ऐसे सदस्य हैं, जो किसी गठबंधन के साथ नहीं जुड़े हैं। इन 39 असंबद्ध सदस्यों में से 11 सदस्यों वाली वाईएसआर कांग्रेस ने एनडीए उम्मीदवार को समर्थन दिया। इससे एनडीए की संख्या बढ़ कर 438 हो गई। इसके बाद बचे हुए 28 असंबद्ध सदस्यों में से बीजू जनता दल के सात, भारत राष्ट्र समिति के चार, अकाली दल के एक और दो अन्य सांसदों ने गैरहाजिर रहने का फैसला किया। इस तरह 14 सदस्य गैर हाजिर रहे। इसके बाद 15 असंबद्ध सदस्य बचे। क्या इन 15 में से 14 असंबद्ध सदस्यों का वोट एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को मिला? या इनमें से कुछ का वोट 'इंडिया' ब्लॉक के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को भी मिला? दोनों गठबंधनों से दूरी रखने वाले कम से कम एक सांसद असदुद्दीन ओवैसी का वोट तो निश्चित रूप से सुदर्शन रेड्डी को मिला। अगर कुछ और असंबद्ध सदस्यों का वोट 'इंडिया' ब्लॉक को मिला तो 'इंडिया' ब्लॉक के कुछ वोट एनडीए के खाते में गए क्योंकि एनडीए को अपने पूरे 427 वोटे मिले, ऊपर से 11 वोट वाईएसआर कांग्रेस के मिले और तब 14 अन्य वोट मिले। दूसरी ओर 'इंडिया' ब्लॉक के अपने 315 सांसदों में से तीन सौ का ही वोट मिला। उसके कम से कम 15 सांसदों ने या तो क्रॉस वोटिंग की है या अपना वोट अमान्य कराया है। ये 15 सांसद कौन हो सकते हैं? आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल ने एनडीए को वोट किया। आप के एक और सांसद के बारे में कहा जा रहा था कि वे शायद 'इंडिया' ब्लॉक के पक्ष में वोट नहीं करें। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के सांसदों को लेकर भी कुछ संशय है। यह भी संभव है कि तमिल अस्मिता के नाम पर तमिलनाडु के किसी सांसद ने राधाकृष्णन के पक्ष में वोट किया हो। हालांकि 'इंडिया' ब्लॉक के नेता इतनी एकजुटता प पर भी खुश हैं और दावा कर रहे हैं कि इतिहास में इससे पहले इतना नजदीकी मुकाबला एक ही बार हुआ था, जब भैरोसिंह शेखावत 148 वोट से जीते थे। विपक्ष इस बात से भी खुश है कि पिछली बार उसे सिर्फ 25 फीसदी वोट मिले थे, जबकि इस बार उसे 40 फीसदी वोट मिला है।

दक्षिण एशिया की जेन-जेड का सच!

नेपाल से उठा धुआँ भारत के सोशल मीडिया में सरक आया है। बुधवार की सुबह से जेन-जेड का नैरेटिव चर्चा में है। कहने वाले कह रहे हैं कि भारत के युवा नेपाल से अलग हैं। उन्हे भले बेरोज़गारी और अमीरी-गरीबी की खाई चुभती हों, बावजूद इसके उन्हें भक्ति और तमाशा ज़्यादा पसंद है। क्या सचमुच? क्या भारत की जेन-जेड और उसके ऊपर की पीढ़ी को नौकरी नहीं चाहिए? वही नौकरी, वह अवसर जो काठमांडू के यूनिफ़ॉर्म पहने किशोरों, ढाका के पहले वोट डालने वाले युवाओं और कोलंबो के मोहभंग हुए ग्रेजुएट्स को चाहिए था। रोज़मर्रा का भ्रष्टाचार, अफसरों की मनमानी और नेताओं की खोखली राष्ट्रवादी घोषणाएं क्या भारत के युवाओं को वैसे ही नहीं सालती हैं जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के युवाओं में थी और उन्हे सड़कों पर ले आई? इतिहास गवाही देता है कि जब ग़ुस्सा फूटता है तो सबसे पहले युवा ही सड़कों पर उतरते हैं। अरब देशों में भी यही हुआ और दक्षिण एशिया में भी। भारत में 1975 की संपूर्ण क्रांति और 2011 के अन्ना आंदोलन में नौजवानों की भीड़ ही तो थी जिसने सत्ता के गलियारों को हिला दिया। भारत की जेन-जेड भी रोज़गार के संकट से कम तंग नहीं है। सीएमआईई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक 20–24 साल के युवाओं में बेरोज़गारी दर 40 प्रतिशत से ऊपर है। हर साल करोड़ों डिग्रीधारी कतार में लगते हैं, लेकिन उन्हें स्थायी नौकरी नहीं, अस्थायी गिग-वर्क या कोचिंग-प्रवेश परीक्षाओं का अंतहीन चक्कर मिलता है। दक्षिण एशिया का साझा सच यही है: यह वह युवा उपमहाद्वीप है, जहां आबादी सुरसा की तरह बढ़ रही है और अवसर उतनी ही तेजी से घटते जा रहे हैं। इसलिए असल बात है कि भाषणों से पेट नहीं भरता। यदि राष्ट्रवाद शिक्षा और रोज़गार नहीं दे सकता, तो युवाओं का दिमाग खदबदाएगा। फर्क इतना है कि इस सदी की शुरुआत का अरब स्प्रिंग इंटरनेट के मासूम दौर में हुआ था—जब उम्मीदें ऊँची थीं और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म आज़ादी के औज़ार लगते थे। आज का विद्रोह डिजिटल मोहभंग के बाद का है। अब एल्गोरिद्म हथियार बन चुके हैं। यूथ मूवमेंट भोली उम्मीदों से नहीं, बल्कि धोखे के लाइव अनुभव से जन्म ले रहे हैं। काठमांडू में विद्रोह की गंध है—जानी-पहचानी, फिर भी बिल्कुल नई। बीते दो दिनों में काठमांडू में जो घटा, उसका दृश्य किसी एक देश का नहीं, बल्कि वैश्विक लगा। अलग झंडे, अलग चेहरे, मगर ग़ुस्से का वही मूड। सड़क पर जला हुआ टायर और हर टूटी बैरिकेड के नीचे एक ही सच दबा पड़ा है—सत्ता के किए गए वादे झूठे थे। "हर कोई अमीर होगा एक अमीर होते देश में"—यह सपना बस महज सपना। नेपाल की आग अकेली नहीं है। वह उपमहाद्वीप में धधकती धीमी आग का हिस्सा है। 2022 में कोलंबो में जब जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्ज़ा कर राजपक्षे भाइयों को खदेड़ा, तब भी वही आग थी। पिछले साल ढाका में जब बेरोज़गार युवाओं ने शेख हसीना की लंबी सत्ता को उखाड़ फेंका, तब भी वही आग थी। पाकिस्तान में भी यही बेचैनी सुलगती रही। इमरान खान के पीछे खड़े युवा, इन्फ्लुएंसर और फ़ुट-सोल्जर्स सिर्फ़ इसलिए नहीं जुटे कि वह कौन थे, बल्कि इसलिए कि वह क्या दर्शाते थे—विरोध और प्रतिरोध का प्रतीक। इसलिए यह कॉपीकैट आंदोलन नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के आईने हैं—एक जैसी भूख, एक जैसी टूटन और एक जैसा नाराः अब और नहीं। जब युवा उठ खड़े होते हैं, इतिहास नोट लेने बैठ जाता है। वे भले विकल्प न बनें, पर उथल-पुथल कर जाते हैं। सत्ता के लिए ख़तरा बन जाते हैं। यह नया भी नहीं है। दिसंबर 2010 में ट्यूनीशिया के मोहम्मद बुआज़ीज़ी ने खुद को आग लगा ली थी और उस एक चिंगारी ने पूरे अरब जगत को जला दिया। काहिरा का तहरीर चौक प्रतीक बन गया—सिर्फ़ एक तानाशाह के ख़िलाफ़ नहीं, बल्कि दशकों से छीने गए भविष्य और सत्ता के धोखे के ख़िलाफ़। इस विद्रोह के मूल में वही पीढ़ी है जिसे सपनों के साथ जीने की शिक्षा दी गई थी, लेकिन सपना देने वाली नई सत्ता ने भी अवसर से ज्यादा वंचित किया। नेपाल में 2024 में बेरोज़गारी 12.6 प्रतिशत थी। बांग्लादेश में सितंबर तक 26 लाख से अधिक लोग काम ढूँढ रहे थे। श्रीलंका के 2022 के आंदोलन की जड़ें पेट्रोल-पानी की कमी से शुरू होकर बेरोज़गार और कमज़ोर युवाओं की हताशा में बदली थीं। उनके माता-पिता ने उदारीकरण के दौर में बाज़ार खुलते और नौकरियों को बढ़ते देखा था, जबकि इस पीढ़ी को डिग्रियाँ मिलीं मगर नौकरियाँ नहीं। यह इतिहास की पुनरावृत्ति भर नहीं है। यह तेज़तर्रार और बेतरतीब विस्फोटक है। अब आंदोलन किसी नेता या पार्टी का इंतज़ार नहीं करते। वे अचानक फूट पड़ते हैं—कभी इंस्टाग्राम ब्लैकआउट से, तो कभी सड़कों पर उमड़े जनसैलाब से। वे बग़ैर नाम के हैं, मगर खोए हुए नहीं; बग़ैर योजना के हैं, मगर बेतुके नहीं। यह विद्रोह अब एक मूड है—फुर्तीला, ग़ुस्सैल और नेता की बकवास से नफ़रत करने वाला। नेपाल में हैरानी की बात यह है कि वामपंथी-कम्युनिस्ट सरकार की छत्रछाया में पली जेन-जेड ने नेताओं की मनमानी और भ्रष्टाचार को सोशल मीडिया से घर-घर पहुंचाया। इसे जानते हुए भी कम्युनिस्ट नेताओं ने सुधरने, सत्ता व्यवहार बदलने के बजाय उसे दबाने की कोशिश की। ज़ाहिर है जब यह पीढ़ी उठती है तो हाशिये पर नहीं जाती, राजधानी पर धावा बोलती है—कोलंबो, ढाका, काठमांडू या काहिरा। विद्रोह हमेशा उन्हीं महानगरों में फूटता है जहाँ संपन्नता और असमानता आमने-सामने खड़ी होती है। यही शहर मंच बनते हैं, यही गलियाँ रंगमंच बन जाती हैं। यह सिर्फ़ विरोध नहीं, ग़ुस्से का थिएटर है—जिसे पूरी दुनिया बालकनी से देखती है। वैश्वीकरण ने साझा सपने का वादा किया था—गतिशीलता, योग्यता, आधुनिकता का। जो बचा है, वह साझा दर्द है। आज हम सिर्फ़ नौकरियों या शासन का संकट नहीं देख रहे, बल्कि मोहभंग की एक वैश्विक संस्कृति देख रहे हैं। यह माहौल विचारधारा से नहीं, तस्वीरों से फैलता है। काठमांडू की लाइवस्ट्रीम ब्रुकलिन में गूंजती है। ढाका का मुखौटा पहने प्रदर्शनकारी लंदन के कॉलेज स्टूडेंट जैसा दिखता है। क्योंकि धोखा भी वैश्विक था और अब मोहभंग भी वैश्विक है। यह नकल नहीं है, यह गूंज है। और यह राजनीति से तेज़ फैलती है। एक लैपटॉप और टूटी स्क्रीन वाला फ़ोन अब किसी पार्टी दफ़्तर से ज़्यादा ताक़तवर है। राजनीति ने आधुनिकता को प्रोपेगेंडा का हथियार बनाया था, अब युवा उसी औज़ार से सवाल पूछ रहा है: तुमने जो वादे किए थे, कहाँ गए? काठमांडू का आंदोलन सिर्फ़ एक और आंदोलन नहीं है। यह एक पीढ़ी का फ़ैसला है—जो पूरे दक्षिण एशिया में फैल रहा है, एक विद्रोह से दूसरे तक। क्योंकि जब युवा इंतज़ार छोड़ देते हैं, तो वे सिर्फ़ बदलाव की माँग नहीं करते, वे ख़ुद बदलाव बन जाते हैं। सत्ता से चिपके मज़बूत नेताओं के असली विकल्प यही बनते-बनाते हैं।

-श्रुति व्यास

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीयों युवाओं को रूसी सेना में भर्ती होने से बचना चाहिए

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीयों को रूसी सेना में भर्ती नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा-हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह के काम में जुड़े जोखिमों और खतरों को हाइलाइट किया है और भारतीय नागरिकों को इस लेकर आगाह भी किया है।' प्रवक्ता ने कहा-हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ भी इस मामले को उठाया है और आग्रह किया है कि इसे रोका जाए और हमारे नागरिकों को रिहा किया जाए। ऐसे किसी भी ऑफर से दूर रहें, क्योंकि इसमें रिस्क है। वहीं, नेपाल के भी युवा बड़ी संख्या में रूस की सेना में भर्ती हो रहे हैं। जानते हैं क्यों भर्ती हो रहे हैं भारत-नेपाल के युवा? भास्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस में भर्ती के लिए एक नेटवर्क एक्टिव है। ये भर्ती के बाद करीब 10 दिन की ट्रेनिंग देते हैं और फिर मरने के लिए यूक्रेन युद्ध में छोड़ देते हैं। यहां तक कि रूसी सेना ने जबरन भर्ती भारतीयों और नेपालियों का वॉट्सऐप डिलीट करवा दिया जाता है, ताकि किसी को हकीकत न पता चले। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 24 जुलाई, 2025 को राज्यसभा को जानकारी दी थी कि रूसी सशस्त्र बलों में 127 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से 98 व्यक्तियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इस मामले पर भारत और रूसी सरकारों के बीच निरंतर बातचीत के परिणामस्वरूप, जिसमें उच्चतम स्तर भी शामिल है, 13 भारतीय नागरिक रूसी सशस्त्र बलों में बचे हैं, जिनमें से 12 के लापता होने की सूचना रूसी पक्ष द्वारा दी गई है। अमेरिकी न्यूज चैनल CNN पर 11 फरवरी, 2024 को छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने यूक्रेन से युद्ध में लड़ने के लिए 15,000 नेपालियों को भर्ती किया था। कई लोग सदमे में लौट गए। कुछ तो कभी वापस ही नहीं आए। सीएनएन ने कई सूत्रों के हवाले से बताया है कि वह उन 15,000 नेपाली सैनिकों में से एक हैं, जो रूसी सेना में शामिल हुए हैं। पिछले साल रूसी सरकार ने विदेशी लड़ाकों को देश की सेना में शामिल होने के लिए एक आकर्षक पैकेज की घोषणा की थी। इस पैकेज में कम से कम 2,000 डॉलर यानी करीब 2 लाख रुपये प्रति माह वेतन और रूसी पासपोर्ट प्राप्त करने की एक तेज प्रक्रिया शामिल थी। वैश्विक नागरिकता और निवास सलाहकार फर्म हेनले एंड पार्टनर्स द्वारा बनाए गए एक सूचकांक के अनुसार, नेपाल का पासपोर्ट वैश्विक गतिशीलता के मामले में दुनिया में सबसे खराब पासपोर्ट में से एक है, जो उत्तर कोरिया से भी नीचे है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2022 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 1,336 डॉलर के साथ यह हिमालयी देश दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है। नेपाल की एक प्रमुख विपक्षी सांसद और पूर्व विदेश मंत्री बिमला राय पौडयाल ने बीते साल फरवरी में देश की संसद के ऊपरी सदन को बताया कि 14,000 से 15,000 नेपाली अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र से लौट रहे लोगों के बयानों का हवाला दिया और रूसी अधिकारियों से आंकड़े उपलब्ध कराने का आग्रह किया। सीएनएन ने सैटेलाइट तस्वीरों का इस्तेमाल करके मॉस्को के बाहरी इलाके में स्थित एक सैन्य अकादमी अवनगार्ड ट्रेनिंग सेंटर को दिखाया था। इस अकादमी को एक युवा सैन्य अकादमी के रूप में डिजाइन किया गया था। यह सेंटर खुद को एक देशभक्ति शिक्षा केंद्र करार देता है। इसे रूसी सेना में भर्ती होने वाले विदेशी भाड़े के सैनिकों के लिए एक प्रशिक्षण अकादमी में बदल दिया गया है। रूस में एक नेपाली सैनिक ने सीएनएन को बताया कि उसने अवनगार्ड में रहते हुए रॉकेट लॉन्चर, बम, मशीन गन, ड्रोन और टैंकों का प्रशिक्षण लिया था। यहां पर रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति निष्ठा लेने की शपथ भी दिलवाई जाती है। भारत, अफगानिस्तान और मिस्र से भर्ती हो रहे युवा रूस में एक नेपाली सैनिक ने सीएनएन को अपने साथी अकादमी कैडेटों को वैश्विक दक्षिण से आने वाला बताया। उसने अफगान, भारतीय, कांगो और मिस्र के सहपाठियों का भी जिक्र किया। सोशल मीडिया पर अवनगार्ड की कक्षा की तस्वीरें, जिनमें दर्जनों दक्षिण एशियाई सैनिक दिखाई दे रहे हैं, उनके साथ मूल रूसी प्रशिक्षक भी हैं। अवनगार्ड में बुनियादी प्रशिक्षण के बाद सीएनएन ने कम से कम दो सैनिकों को पास के एक दूसरे बेस, जिसे अलबिनो पॉलीगॉन के नाम से जाना जाता है, में देखा। बेलिंगकैट डिस्कॉर्ड समुदाय की मदद से तय किए गए इस मशीनीकृत पैदल सेना प्रशिक्षण परिसर में पूरे युद्धक उपकरणों से लैस कुछ दक्षिण एशियाई सैनिक बख्तरबंद वाहनों और भारी हथियारों के साथ काम करने, साथ ही अपने सामान पैक करने और रूसी सैनिकों के बीच बड़ी टुकड़ियों में संगठित होने का अभ्यास कर रहे हैं। रूसी सेना में भर्ती होने वाले कई नेपालियों ने कहा है कि वे रूसी नहीं बोलते, लेकिन वे बताते हैं कि अवनगार्ड के प्रशिक्षक उन्हें अंग्रेजी में प्रशिक्षण देकर इस बात का ध्यान रखते हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, जिन्हें भर्ती किया जाता है, उनके साथ एक साल का अनुबंध होता है। सैनिकों को एक रूसी बैंक खाता मिलता है, जहां कम से कम 2,000 डॉलर मासिक वेतन जमा होता है। कई लड़ाकों का कहना है कि उन्हें बोनस भी दिया जाता था। जो मोर्चे पर सबसे आगे, उन्हें उतना ही ज्यादा बोनस मिलता है। कुछ का कहना है कि वे 4,000 डॉलर प्रति माह तक कमा लेते थे। वहीं, भारत-नेपाल में एजेंट किसी तीसरे देश के माध्यम से किसी व्यक्ति के लिए पर्यटक वीजा की व्यवस्था करने के लिए 5,000 से 7,000 डॉलर तक वसूलते हैं।

केपी ओली, प्रचंड, देउबा... नेपाल की राजनीति में एक और धमाके की तैयारी, 6 पूर्व प्रधानमंत्री जबरन किए जा सकते हैं रिटायर

एजेंसी काठमांडू

नेपाल में युवाओं के प्रदर्शन और केपी शर्मा ओली की सरकार गिरने के बाद राजनीतिक हलचल तेज है। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल जेन-जेड पीढ़ी के प्रदर्शनों से उपजे राजनीतिक संकट को सुलझाने पर काम कर रहे हैं। एक तरफ नई अंतरिम सरकार चुनने पर काम हो रहा है तो वहीं पुराने राजनेताओं को जबरन रिटायर करने की तैयारी है। केपी ओली समेत नेपाल के छह पूर्व प्रधानमंत्रियों को सक्रिय राजनीति से पूरी तरह दूर करने के प्लान पर काम हो रहा है। देश की राजनीतिक दिशा को लेकर जनता की चिंता के बीच नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, माओवादी केंद्र और यूनिफाइड सोशलिस्ट पार्टी के दूसरी पीढ़ी के नेता इस बदलाव को संभालने के लिए आंतरिक चर्चा कर रहे हैं। इनका सबसे मुख्य प्रस्ताव दशकों से नेपाली राजनीति पर हावी रहे छह पूर्व प्रधानमंत्रियों को जबरन रिटायर करने की है। नेपाल के छह पूर्व प्रधानमंत्री- केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा, पुष्प कमल दहल प्रचंड, माधव कुमार नेपाल, झालानाथ खनल और डॉक्टर बाबूराम भट्टाराई के लिए उनके अपनों दलों में गुस्सा है। नए पीढ़ी के नेताओं का कहना है कि नए नेतृत्व के लिए इनको राजनीति से रिटायर हो जाना चाहिए। बीते कई दशकों से नेपाल की राजनीति इनके इर्दगिर्द घूमती रही है। इन छह नेताओं पर सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा करते हुए संयुक्त बयान जारी करने का दबाव डाला जा रहा है। वामपंथी पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने खबरहब को बताया कि हम सभी छह पूर्व प्रधानमंत्रियों से संयुक्त बयान लेने पर काम कर रहे हैं। उनसे कहा जाएगा कि वे राजनीति से संन्यास ले लें और देश को नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने दें। नेपाल में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का अंतरिम प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। उनको पीएम के रूप में शपथ दिलाने की तैयारी चल रही है। नेपाल के राष्ट्रपति कार्यालय शीतल निवास ने अपने कर्मचारियों को नए अंतरिम प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है।

रूसी Su-57 vs F-35 vs J-20... पुतिन के स्टील्थ फाइटर जेट ने अमेरिका और चीन को दिया धोबी पछाड़, ड्रोन युद्ध की नई रेस तेज

एजेंसी वॉशिंगटन

पिछले कुछ सालों से रूस से स्टील्थ फाइटर जेट एसयू-57 की उसकी टेक्नोलॉजी को लेकर लगातार आलोचना की जा रही थी। दुनिया के ज्यादातर डिफेंस एक्सपर्ट्स अमेरिकी एफ-35 और चीनी जे-20 स्टील्थ फाइटर जेट के मुकाबले रूसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान को कमजोर बता रहे थे। लेकिन रूस ने अपने एसयू-57 लड़ाकू विमान में ऐसी क्षमताएं जोड़ी हैं कि इसने मारक क्षमता में चीन और अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। एसयू-57 लड़ाकू विमान को बनाने वाली रूसी कंपनी सुखोई डिजाइन ब्यूरो इसे एक ऐसे नेटवर्क-सेंट्रिक प्लेटफॉर्म में बदल रहा है, जहां मानवरहित युद्धक विमानों (UAVs) इस विमान की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा देगा। सुखोई की यह नई रणनीति अमेरिका के एफ-35 और चीन के जे-20 जैसे फाइटर्स से अलग है, क्योंकि इसमें सिर्फ फाइटर जेट पर नहीं, बल्कि मानवयुक्त और मानवरहित विमानों के इंटीग्रेटेड कॉम्बैट सिस्टम को जोड़ा गया है। सुखोई के डिप्टी डायरेक्टर मिखाइल स्त्रेल्स ने रूसी न्यूज एजेंसी TASS से कहा है कि सिर्फ पायलटेड एयरक्राफ्ट से मल्टी-लेयरड एयर डिफेंस सिस्टम को भेदना बेहद महंगा और जोखिमपूर्ण है। इसलिए भविष्य की दिशा ऐसे फंक्शनल कॉम्प्लेक्स की होगी, जहां हर प्लेटफॉर्म का अलग टारगेट और मिशन होगा। इसी सोच के साथ सुखोई आठ अलग-अलग कॉम्बैट और सपोर्ट ड्रोन विकसित कर रहा है, जिनमें से कई सार्वजनिक रूप से सामने आ चुके हैं। स्ट्रेलेट्स ने कहा, "फिलहाल हम करीब आठ अलग-अलग यूएवी वेरिएंट पर काम कर रहे हैं।" इन ड्रोनों को एसयू-57 फाइटर जेट से ही दुश्मनों के ठिकानों पर हमला करने के लिए लॉन्च किया जा सकता है। इन हमलावर ड्रोन को क्रूज मिसाइल की तरह लॉन्च किया जा सकता है। एसयू-57 लड़ाकू विमान में लगने वाले ड्रोनों में तीन ड्रोन, जिनकी जानकारी बाहर आई है, उनके नाम
1- एस-70 ओखोटनिक लो ऑब्जर्वेबल कोलैबोरेटिव कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (सीसीए) 2- एस-71एम "मोनोक्रोम" एडवांस ऑटोनॉमस, जिसे Su-57 द्वारा आंतरिक परिवहन के लिए डिजाइन किया गया है 3- एस-71के एक्सपेंडेबल, बाहरी रूप से ले जाए जाने वाले वैरिएंट अटैक ड्रोन या क्रूज मिसाइल शामिल हैं। इनमें सबसे खतरनाक एस-70 'ओखोतनिक' (हंटर) है, जो 20–22 टन वजन वाला हैवी UCAV है। इसकी स्पीड करीब 1000 किमी/घंटा की रफ्तार तक जा सकता है। फ्लाइंग-विंग डिजाइन और सिंगल इंजन से लैस इस ड्रोन में कई तरह के स्टील्थ फीचर्स हैं, जो इसे सु-57 से भी ज्यादा कम दिखाई देने वाला बनाते हैं। 2019 की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें मल्टी-फंक्शन रडार और एक्टिव फेज्ड-ऐरे एंटेना लगे हैं। यह ड्रोन यूक्रेन युद्ध में भी तैनात किया जा चुका है और जासूसी मिशनों पर काम कर चुका है। हालांकि, अक्टूबर 2024 में एक सु-57 ने ऑपरेशन के दौरान एक ओखोतनिक को मार गिराया था, लेकिन यह साफ नहीं हो सका कि किन कारणों से ऐसा हुआ। इसके बावजूद रूस इस ड्रोन को जल्द ही ऑपरेशनल इंडक्शन के लिए तैयार कर रहा है। इसके अलावा सुखोई का अगला बड़ा दांव है S-71 सीरीज है, जिसमें दो वेरिएंट- S-71M (मोनोक्रोम) और S-71K "कारपेट" शामिल हैं। दोनों ही एयर-लॉन्च्ड UAVs हैं, लेकिन दोनों की भूमिकाएं अलग अलग हैं। S-71K ज्यादा बड़ा है और इसे क्रूज मिसाइल की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें क्लस्टर, हाई-एक्सप्लोसिव और शेप्ड-चार्ज वॉरहेड लगाए जा सकते हैं। दूसरी तरफ, S-71M ज्यादा एडवांस है और खुद से टारगेट की खोज, उसकी पहचान और फिर उसपर हमला कर सकता है। यह ड्रोन दुश्मन क्षेत्र में जाकर मिशन को अंजाम देकर वापस लौट सकता है। जबकि अमेरिकी एफ-35 और जे-20 फाइटक जेट में ऐसी क्षमताएं नहीं हैं।

नेपाल में संसद भंग करने और प्रेसिडेंट से मिलने पर अड़े Gen-Z प्रदर्शनकारी, आर्मी चीफ राष्ट्रपति के घर पहुंचे

एजेंसी काठमांडू

नेपाल में नई अंतरिम के गठन के लिए बातचीत का सिलसिला जारी है। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल लगातार अलग-अलग पक्षकारों से बात कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उनकी ये कोशिशें किसी फाइनल नतीजे पर पहुंचती हुई नहीं दिख रही हैं। शुक्रवार को भी नेपाल के जनरेशन जेड विरोध प्रदर्शन के नेताओं और राष्ट्रपति की नई सरकार के गठन को लेकर कुछ मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी है। इस बीच राष्ट्रपति और आर्मी चीफ की मुलाकात भी हुई है। नेपाल के जनरेशन जेड विरोध प्रदर्शन के नेताओं ने संसद भंग करने और सरकार गठन वार्ता में राष्ट्रपति से सीधी मुलाकात की मांग की है। शुक्रवार को हामी नेपाल संगठन के नेता सुदान गुरुंग ने कहा कि वह नई सरकार के चुनाव में सीधा दखल चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति से मिलकर इस पर बात करने से कम पर राजी नहीं होगे। सरकार बनाने को लेकर किए जाने वाले फैसलों में उनको भी शामिल किया जाना चाहिए। सुदान गुरुंग ने काठमांडू में चल रही उच्चस्तरीय वार्ता में कर्मचारियों या मध्यस्थों से बात करने से इनकार किया है। शुक्रवार शाम को बताया गया है कि सुदान करीब 9 घंटे से राष्ट्रपति से मिलने के लिए इंतजार कर रहे हैं। राष्ट्रपति से मुलाकात के अलावा संसद को भंग करने और नई अंतरिम सरकार में युवाओं की भागेदारी की शर्त सुदान ने रखी है। वह सैकड़ों युवाओं के साथ अभी भी सड़क पर हैं। नेपाल में शुक्रवार शाम एक और बड़े घटनाक्रम में आर्मी चीफ जनरल अशोक राज सिगडेल ने राष्ट्रपति राम चंद्र पोडैल से मुलाकात की है। सिगडेल और पोडैल के बीच करीब 15 मिनट तक बात हुई है। ये अहम बैठक नई सरकार के बनाने की चर्चाओं के बीच हुई है। इससे नेपाल के राजनीतिक शून्य को भरने की उम्मीद बंधी है। माना जा रहा है कि इस बैठक में नई सरकार पर फाइनल फैसला हुआ है। बीबीसी नेपाली के मुताबिक, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को नई सरकार में पीएम नियुक्त करने पर तकरीबन सहमति बन गई है। कथित तौर पर राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल की उपस्थिति में इस पर फैसला लिया गया है। दावा किया जा रहा है कि कार्की को इसकी जानकारी दे दी गई है कि उनको अंतरिम पीएम बनया जा रहा है। नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने नाम पर सहमति बन गई तो उनको सरकार की पहली महिला प्रमुख बनने का मौका मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर ने हिला दी पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग, मुनीर ने यूं ही नहीं अमेरिका में दी एटम बम की धमकी

एजेंसी इस्लामाबाद

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की परमाणु धमकियों की हवा निकाल दी है। पिछले करीब 25 सालों से इस्लामाबाद ने हमेशा भारत के खिलाफ न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग का इस्तेमाल किया है। लेकिन मई महीने में पीओके से लेकर पाकिस्तानी पंजाब तक भारत ने मिसाइलों से आतंकी ठिकानों को तबाहकर उसके न्यूक्लियर झांसे को हमेशा के लिए तोड़ दिया है। भारत के पारंपरिक हथियारों के आगे पाकिस्तान पूरी तरह से धाराशाई नजर आया है और उसके 11 एयरफील्ड तबाह हो गये। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर का परमाणु हथियार लहराना पाकिस्तान की इसी बेचैनी और डर का प्रदर्शन है। असीम मुनीर की धमकियां पाकिस्तानी नागरिकों को दिलासा देना है कि पाकिस्तानी सेना मजबूत है, लेकिन पाकिस्तान जान गया है कि उसकी न्यूक्लियर धमकियां अब दम तोड़ चुकी हैं। हालांकि देखा जाए तो पाकिस्तान पिछले साल तक परमाणु हथियारों के मामले में भारत से आगे थे। लेकिन अब भारत के पास 180 न्यूक्लियर वारहेड हैं तो पाकिस्तान के पास 172 न्यूक्लियर वारहेड हैं। पाकिस्तान की परमाणु नीति और परमाणु बम को लेकर हल्ला करना, यही दिखाता है कि वो भारत का सीधे मुकाबला नहीं कर सकता है। इसी वजह से पाकिस्तान ने टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन्स (TNWs) को शामिल किया ताकि भारत की पारंपरिक प्रतिक्रिया सीमित हो। लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये हथियार सिर्फ हल्ला मचाने के लिए ना कि युद्धक्षेत्र में इनसे कोई फायदा होने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि भारत अब सब-कन्वेंशनल हमलों पर पारंपरिक सैन्य जवाब देने को तैयार है, जिससे पाकिस्तान की परमाणु हथियारों को लेक "फर्स्ट यूज" नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस लिहाज से पाकिस्तान अब "कैटेलिटिक न्यूक्लियर पोस्ट्चर" की ओर बढ़ रहा है, यानी अपनी परमाणु धमकी का इस्तेमाल तीसरे पक्ष, खासकर अमेरिका में जाकर दे रहा है। ऑब्जर्वर्स रिसर्च फाउंडेशन में जियो-पॉलिटिकल डिफेंस एक्सपर्ट कार्तिक बोम्मकांति और राहुल रावत ने लिखा है कि पाकिस्तान ने अमेरिका की धरती से भारत को इसलिए धमकी दी, कि आगे के युद्ध में अगर भारत फिर से पाकिस्तानी सेना को तबाह करने लगे, तो अमेरिका तत्काल उसे बचाने के लिए बीच में आ जाए। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के नेतृत्व वाले विश्वव्यापी खतरा आकलन 2025 में कहा गया है कि "पाकिस्तान, भारत को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है और भारत के पारंपरिक सैन्य लाभ को संतुलित करने के लिए युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियारों के डेवलपमेंट समेत अपने सैन्य आधुनिकीकरण प्रयासों को जारी रखेगा"।

इस्लाम और राजनीति के मिश्रण का कमाल... मुस्लिम दुनिया में छाने की तैयारी में खलीफा एर्दोगन, तुर्की छीन लेगा सऊदी से ताज

एजेंसी अंकारा

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों की अपनी राजनीति रही है। खासतौर से मुस्लिम वर्ल्ड की अपनी एक अहमियत रही है। दुनियाभर के शिया ईरान की तरफ श्रद्धा से देखते हैं। वहीं सुन्नी दुनिया की अगुवाई का दावा सऊदी अरब करता है। सऊदी अरब में इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थल मक्का और मदीना हैं। मक्का और मदीना के लिए मुस्लिमों की आस्था सऊदी को दूसरे देशों पर स्पष्ट बढ़त देता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में तुर्की सुन्नी वर्ल्ड की लीडरशिप हासिल करने की पुरजोर कोशिश में है। इसमें खासतौर से तुर्की के प्रसिडेंट रेसेप तैयप एर्दोगन एक्टिव दिखे हैं। द वीक की रिपोर्ट के मुताबिक, तुर्की के पास सऊदी अरब जैसे पवित्र स्थल नहीं हैं। ना ही उसके पास ईरान जैसा मान्यता प्राप्त धार्मिक प्राधिकरण है। इसके बावजूद तुर्की इस्लामी लोकलुभावनवाद के जरिए सऊदी अरब और ईरान को टक्कर दे रहा है। तुर्की लगातार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि को निखारने में लगा है। कुछ समय पहले टीवी सीरीज एर्तुगरुल के जरिए तुर्की ने एशिया से अमेरिका तक पहचान बनाई। यह शो ओटोमन इतिहास और इस्लामी मूल्यों पर आधारित एक सभ्यतागत कहानी पर था और काफी लोकप्रिय हुआ। इस्लामी दुनिया के नेता के रूप मे पेश करने की तुर्की की कोशिश गाजा संकट पर उसकी प्रतिक्रिया में साफ दिखती है। हाल ही में राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने एक संबोधन में कहा, 'हमारा आधा दिल फिलिस्तीन, यमन, सूडान और अफगानिस्तान में है, जो इस्लामी दुनिया के रिसते जख्म हैं। हम गाजा में हो रहे अत्याचार पर मूकदर्शक नहीं हो सकते हैं। एर्दोगन ने गाजा और दुनिया के उन हिस्सों पर बात की, जहां किसी ना किसी तरह की परेशानी है। यह बयानबाजी दिखाती है कि धार्मिक लोकलुभावनवाद गाजा मुद्दे से किस तरह जुड़ा है। गाजा संकट पर एर्दोगन का कड़ा रुख भले ही किसी ठोस राजनीतिक लाभ में तब्दील नी हो लेकिन यह दुनियाभर के मुसलमानों के बीच उनकी छवि सुधारता है। एर्दोगन की राजनीतिक चतुराई हालिया समय में देखी है। एक ओर तुर्की ने सऊदी और यूएई से संबंध बेहतर किए हैं। दूसरी ओर आईयूएमएस जैसे समूहों को पनाह देना जारी रखे है, जिन पर सऊदी अरब और यूएई ने ब्रदरहुड से संबंधों के चलते प्रतिबंध लगा रखा है। यह तुर्की की प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय गतिशीलता से बचने और व्यापक मुस्लिम जगत से जुड़ने की क्षमता को दर्शाता है। राष्ट्रपति एर्दोगन और उनके सहयोगियों के बयानों में बार-बार स्पष्ट हुआ है कि वह मुस्लिम दुनिया की अगुवाई चाहते हैं। जैसे एर्दोगन ने अल-अक्सा परिसर को तुर्की के लिए रेड लाइन कहा। उन्होंने इजरायल को चेताते हुए कहा कि अल-अक्सा मस्जिद और डोम ऑफ द रॉक का घर, हरम अल-शरीफ अविभाज्य इकाई है। 144 एकड़ में फैला यह परिसर पूरी तरह मुसलमानों का है। एर्दोगन के नेतृत्व में तुर्की ने व्यापक मुस्लिम जगत में अपनी जगह होशियारी से बनाई है। यह सोशल मीडिया पर भी साफ दिखता है। एक्स, मेटा और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे पोस्ट की भरमार है, जिनमें तुर्की का जिक्र है। ये पोस्ट गाजा पर रुख के लिए एर्दोगन की तारीफ करके हुए तुर्की को

पाकिस्तान से खेलना होगा... एशिया कप 2025 के ब्लॉकबस्टर मैच के विरोध के बीच ये बोले IPL चेयरमैन अरुण धूमल

एजेंसी नई दिल्ली

यूएई में चल रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले बहुचर्चित मुकाबले से पहले आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है और एसीसी तथा आईसीसी टूर्नामेंटों में भारतीय टीम को उससे खेलना ही होगा। अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव और भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने को लेकर भारत में सोशल मीडिया पर काफी विरोध हो रहा है। भारत के महान स्पिनर हरभजन सिंह ने कल कहा था कि भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंध बेहतर होने तक आपस में क्रिकेट या व्यापार नहीं होना चाहिये। इससे पहले हरभजन इंडिया चैंपियंस टीम का भी हिस्सा थे जिसने जुलाई में इंग्लैंड में हुई विश्व लीजैंड्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल नहीं खेला था। पहलगाम हमले के मद्देनजर पिछले महीने ही भारत सरकार ने पहली बार पाकिस्तान के साथ खेल संबंधों को लेकर नीति बनाई जिसके तहत भारत किसी भी खेल में पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा , चाहे वे तटस्थ स्थान पर ही क्यों नहीं हो लेकिन बहु देशीय टूर्नामेंटों में खेलना होगा। धूमल ने यहां 'प्लेकॉम 2025 समिट' से इतर कहा, 'मैं भारतीय टीम को शुभकामना देना चाहता हूं। पाकिस्तान के साथ खेलने को लेकर भारत सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।हम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे लेकिन एसीसी या आईसीसी ट्रॉफी खेलना होगा। हम सरकार की सलाह पर अमल करेंगे।' बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'एक सप्ताह के भीतर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। तभी हमें स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी कि अगला अध्यक्ष कौन होगा।' सरकार द्वारा आनलाइन गेमिंग पर रोक लगाने के बाद भारतीय टीम की टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 के साथ करार खत्म होने पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा, 'जो हुआ, वह हो चुका है (ड्रीम 11 का जाना)। मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन अगले प्रायोजक को तलाशने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीद है कि दो तीन सप्ताह में पता चल जाएगा।' आईपीएल की सफलता का श्रेय बीसीसीआई को देते हुए धूमल ने कहा कि इसकी नींव 2008 से पहले ही पड़ चुकी थी और बीसीसीआई ने इतने वर्षों में खिलाड़ियों का शानदार पूल तैयार किया है जिससे यह लीग इतनी कामयाब रही। उन्होंने कहा, 'आईपीएल सबसे अलग इसलिये है क्योंकि हर गेंद यहां एक जलसा है।पहले मैच में ब्रेंडन मैकुलम से लेकर पिछले सत्र में 14 वर्ष के वैभव रघुवंशी तक जिसने आईपीएल में पहली गेंद पर ही छक्का जड़ दिया। मैं इसलिये कहता हूं कि लीग शुरू करने पर नहीं बल्कि बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करने पर फोकस रखें, लीग अपने आप कामयाब हो जाएगी।'

हार्दिक, रिंकू ने दिया ब्रोंको टेस्ट... संजू सैमसन का बुरा हाल हो गया, सांस लेना भी हुआ मुश्किल

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप में टीम इंडिया ने कमाल की शुरुआत की। भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले मैच में यूएई की टीम को 9 विकेट से रौंद दिया। अब अगला मुकाबला पाकिस्तान की टीम के खिलाफ है। इस टूर्नामेंट के बीच टीम इंडिया का एक टेस्ट काफी चर्चा में बना हुआ है। टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स ने ब्रोंको टेस्ट को शुरू किया है। यह टेस्ट खिलाड़ियों की फिटनेस को मापने का एक तरीका है। पहले यो-यो टेस्ट होता था जिसे 2017 से इस्तेमाल किया जा रहा था। ब्रोंको टेस्ट को लेकर कुछ पुराने खिलाड़ियों ने सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों का चयन सिर्फ इस टेस्ट के आधार पर नहीं होना चाहिए। ले रूक्स का कहना है कि यह टेस्ट खिलाड़ियों को बेहतर बनाने और चोटों से बचाने में मदद करेगा। हार्दिक पंड्या और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी इस टेस्ट में हिस्सा ले रहे हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ब्रोंको

टेस्ट के बारे में जानकारी दी है। ले रूक्स ने इस टेस्ट के बारे में बताते हुए कहा, 'आज हमने जो रन किया वह ब्रोंको रन है। यह कोई नया रन या माप नहीं है। यह कई सालों से अलग-अलग खेलों में इस्तेमाल हो रहा है। हमने इसे टीम के माहौल में शुरू किया है। इसके दो फायदे हैं, हम इसे ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं और दूसरा इसे मापने के लिए। इससे हमें पता चलता है कि खिलाड़ी एरोबिक फिटनेस के मामले में कहां हैं और हम सही दिशा में जा रहे हैं या नहीं।' वीडियो में हार्दिक पांड्या और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी टेस्ट में हिस्सा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। ले रूक्स संजू सैमसन को बधाई भी देते हैं जो टेस्ट के बाद थके हुए दिख रहे थे। ब्रोंको टेस्ट को सबसे पहले रग्बी खिलाड़ियों के लिए बनाया गया था। इसका मकसद उनकी एरोबिक और कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन को बेहतर बनाना था। इस टेस्ट में 20, 40 और 60 मीटर की शटल रन होती हैं। एक पूरा सेट में तीनों दूरियां होती हैं और एक खिलाड़ी को लगातार पांच सेट पूरे करने होते हैं। इसमें उन्हें बिना रुके 1,200 मीटर की दूरी तय करनी होती है।

गौतम गंभीर का `प्रोजेक्ट संजू सैमसन' ये है, रविचंद्रन अश्विन ने पाकिस्तान मैच से पहले खोल दिया राज

एजेंसी दुबई

संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप 2025 के मुकाबले में उस वक्त हर किसी को आंखें फटी रह गईं, जब टॉस के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्लेइंग-11 में संजू सैमसन का नाम लिया। मैच से पहले संजू को लेकर कहा जा रहा था कि वह प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि ओपनिंग में अभिषेक शर्मा के साथ उपकप्तान शुभमन गिल मोर्चा संभालेंगे। ऐसा हुआ भी। यही दोस्तों की जोड़ी ओपनिंग करने उतरी, लेकिन संजू सैमसन प्लेइंग-11 में थे और प्लान के अनुसार वह मिडिल ऑर्डर में उतरेंगे। अगर यही प्लान रहा तो आगे के मैचों में संभव है आखिरी ओवरों में विपक्षी टीम पर कहर बरपाते नजर आएंगे। इस पूरे मामले पर अब टीम इंडिया का पिछले साल तक हिस्सा रहे रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पहले तो बताया कि वह हैरान थे, लेकिन इस फैसले से खुश थे। उन्होंने कहा- मैं हैरान था, लेकिन यह देखकर अच्छा लगा कि संजू सैमसन को सपोर्ट किया जा रहा है।

उन्हें कप्तान और कोच से जो सपोर्ट मिल रहा है, वह कमाल है। बता दें कि सूर्यकुमार यादव ने संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में खिलाने को लेकर यूएई से मैच से पहले कहा था कि हम उनकी देखभाल कर लेंगे। इस पर अश्विन ने कहा- अगर वह खेलते हैं और विकेट गिरता है तो पावर प्ले में हम संजू सैमसन को खेलते देख सकेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह हेड कोच गौतम गंभीर ने संजू से कहा था कि अगर 21 बार भी शून्य पर आउट हुए तो भी चिंता नहीं है। उन्होंने बताया- यह प्रोजेक्ट सैमसन है। जब मैंने उनका इंटरव्यू किया था तो उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर ने उनसे कहा है कि अगर 21 जीरो भी हो जाएगा तो भी वह 22वें मैच में खेलेंगे। यह कॉन्फिडेंस कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर ने उन्हें दिया है।

बैटिंग या बॉलिंग में, किसका चलेगा अबुधाबी में सिक्का, जानें कैसी होगी बांग्लादेश-श्रीलंका के मैच के लिए पिच

एजेंसी अबुधाबी

अपने पहले मैच में हांगकांग पर आसान जीत से उत्साहित बांग्लादेश की टीम शुक्रवार को एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में छह बार के चैंपियन श्रीलंका से भिड़ेगी, जो इस मुश्किल ग्रुप का भाग्य तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। एशिया कप खिताब की तलाश में लगे बांग्लादेश के अभियान की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान लिटन दास ने 59 रन की पारी की मदद से बांग्लादेश ने हांगकांग पर सात विकेट से जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने इस मैच में भले ही आसानी से जीत हासिल की लेकिन कुछ ऐसे विभाग हैं जिनमें उसकी कमजोरी खुलकर सामने आई। इनमें गेंदबाजी विभाग प्रमुख है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और लेग स्पिनर रिशाद हुसैन विकेट लेने के बावजूद रन लुटा बैठे। श्रीलंका के खिलाफ ऐसी कोई भी गलती बांग्लादेश को भारी पड़ सकती है। श्रीलंका की टीम तीनों विभाग में संतुलित नजर आती है और बांग्लादेश को इसकी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आइए जानते हैं दोनों टीमों के बीच होने वाले इस मैच के लिए कैसी होगी पिच। शेख जायद स्टेडियम की पिच आमतौर पर सपाट और सूखी मानी जाती है। ऐसे में यहां बल्लेबाजी करना आसान माना जाता है। हालांकि, खेल बढ़ने के साथ पिच थोड़ी धीमी जरूर होती, जिससे स्पिन गेंदबाजों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाता है। वहीं अगर रात के समय ओस का प्रभाव रहा तो फिर यहां गेंदबाजों के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। इस स्टेडियम के रिकॉर्ड की बात करें तो यहां अब तक कुल 70 मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें 40 बार लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने मैच जीता है। वहीं 30 बार पहले बल्लेबाजी करते हुए जीत मिली है। ऐसे में साफ है कि टॉस जीतने वाली टीम की पहली पसंद गेंदबाजी चुनना होगा। इसके अलावा इस पिच का औसत स्कोर 144 रन है।

दोनों टीमों का स्क्वाड-

बांग्लादेशः लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, शैफ उद्दीन।

श्रीलंकाः चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

व्यापार

देश में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 2.07% हुई, महंगी हो सकती हैं खाने-पीने की चीजें

एजेंसी नई दिल्ली

अगस्त में भारत की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 2.07% हो गई। जुलाई में यह दर 1.55% थी, जो पिछले आठ सालों में सबसे कम थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहले के हाई बेस इफेक्ट (base effects) का असर कम हो गया। महंगाई दर बढ़ने से खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं। बेस इफेक्ट का मतलब है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल कीमतों में कितना बदलाव आया है। पहले बेस इफेक्ट की वजह से महंगाई दर कम दिख रही थी। लेकिन अगस्त में यह असर कम हो गया। इससे खाने-पीने की चीजों की कीमतें भी बढ़ गईं। खाने-पीने की चीजें उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index) यानी CPI में लगभग आधा हिस्सा रखती हैं। इनकी कीमतें बढ़ने से खुदरा महंगाई दर भी बढ़ गई। महंगाई दर अभी भी रिजर्व बैंक (RBI) के तय लक्ष्य से कम है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई दर 4 प्रतिशत के आसपास रहे। इससे रिजर्व बैंक को ब्याज दरें कम रखने में मदद मिलेगी। इससे देश की आर्थिक तरक्की को बढ़ावा मिलेगा। रॉयटर्स के एक सर्वे में 40

अर्थशास्त्रियों ने अनुमान लगाया था कि अगस्त में खुदरा महंगाई दर 2.10% तक बढ़ जाएगी। अगस्त में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर -0.69 प्रतिशत रही। यह लगातार तीसरा महीना है जब खाने-पीने की चीजों की कीमतें कम हुई हैं। सब्जियों के दाम 15.92 प्रतिशत तक गिर गए। दालें भी 14.53 प्रतिशत तक सस्ती हो गईं। मसालों के दाम भी 3.24 प्रतिशत तक कम हुए हैं। अगस्त में महंगाई बढ़ने का कारण मांस, मछली, तेल, अंडे और पर्सनल केयर के सामान की कीमतों में बढ़ोतरी है। हालांकि कुछ में गिरावट भी रही। अगस्त में ईंधन की महंगाई दर 2.43 प्रतिशत रही। जुलाई में यह 2.67 प्रतिशत थी। आवास की महंगाई दर अगस्त में 3.09 प्रतिशत रही। जुलाई में यह 3.17 प्रतिशत थी। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई दर भी अगस्त में कम रही। यह 4.40 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में यह 4.57 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की सीपीआई महंगाई दर 3.1 प्रतिशत रहेगी। इसकी वजह यह है कि मानसून अच्छा चल रहा है और खरीफ की बुवाई भी अच्छी हुई है। इससे खाने-पीने की चीजों की कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। पिछले महीने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee) यानी MPC की बैठक हुई थी। एमपीसी ने ब्याज दरों को 5.50% पर स्थिर रखा। एमपीसी ने कहा कि महंगाई का अनुमान अधिक सौम्य है। इसका मतलब है कि एमपीसी को नहीं लगता कि महंगाई बहुत तेजी से बढ़ेगी। इससे पहले, रिजर्व बैंक ने फरवरी से तीन बार ब्याज दरें घटाई थीं।

आईफोन ही नहीं, एप्पल के शेयर भी धड़ाधड़ खरीद रहे भारतीय, ट्रेडिंग वॉल्यूम में 30% की तेजी

एजेंसी नई दिल्ली

भारत में लोग सिर्फ नया आईफोन खरीदने के लिए लाइन नहीं लगा रहे हैं, बल्कि इसे बनाने वाली कंपनी एप्पल के शेयर भी खरीद रहे हैं। भारतीय शेयरधारक आईफोन 17 के 9 सितंबर को लॉन्च होने के बाद शेयर की कीमत बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इसलिए वो एप्पल के शेयर खरीद रहे हैं। सितंबर में एप्पल के शेयरों का कारोबार पिछले महीने की तुलना में 20-30% बढ़ गया है। यह जानकारी ब्रोकरों ने दी है। भारतीय ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से विदेशी स्टॉक और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (exchange-traded funds) में पैसा लगा रहे हैं। 9 सितंबर को आईफोन 17 के लॉन्च के बाद एप्पल के शेयरों में 3.2% की गिरावट आई। लॉन्च से पहले भी स्टॉक 5.4% गिर गया था। IND Money के सीईओ और को-फाउंडर निखिल बहल ने कहा कि आईफोन लॉन्च से पहले एप्पल के शेयरों में कारोबार थोड़ा कम था। लेकिन लॉन्च के बाद यह पिछले महीने की तुलना में 30% बढ़ गया है। बहल ने यह भी बताया कि IND Money पर लगभग 70% ऑर्डर खरीदने के हैं।

इसका मतलब है कि ज्यादातर लोग एप्पल क Vested Finance के फाउंडर और सीईओ विरम शाह ने कहा कि आईफोन 17 के लॉन्च के तुरंत बाद एप्पल के शेयरों में कारोबार लगभग चार गुना बढ़ गया। सबसे खास बात यह है कि इस वॉल्यूम के पीछे निवेशकों का भरोसा है। उन्होंने आगे कहा कि खरीद ऑर्डर, बिक्री ऑर्डर से दो गुना से भी ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि भारतीय निवेशकों को नए प्रोडक्ट की क्षमता पर तुरंत और मजबूत भरोसा है। Vested Finance के डेटा के अनुसार, पिछले पांच सालों में आईफोन लॉन्च के दौरान ट्रेडिंग वॉल्यूम में 200-500% की बढ़ोतरी हुई है। एप्पल के शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी दूसरे प्रोडक्ट के लिए थोड़ी कम रहती है। शाह ने कहा कि इससे पता चलता है कि हमारे निवेशकों को यह पता है कि आईफोन, एप्पल के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसकी सफलता ही कंपनी के स्टॉक प्रदर्शन को बढ़ाती है। इसका मतलब है कि निवेशकों को लगता है कि आईफोन की सफलता से ही एप्पल के शेयर की कीमत बढ़ेगी। कुछ एक्सपर्ट एप्पल के भविष्य को लेकर उत्साहित नहीं हैं। ग्लोबल मैक्रो एसेट एलोकेशन फंड Pinetree Macro के फाउंडर रितेश जैन ने कहते हैं कि एप्पल को प्रोडक्ट लॉन्च के कारण थोड़े समय के लिए फायदा हो सकता है, लेकिन लंबी अवधि की कहानी पर सवाल है। उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि यह कंपनी कम इनोवेशन कर रही है और अपनी ज्यादातर नकदी का इस्तेमाल शेयर वापस खरीदने के लिए कर रही है।'

भारत में महंगे सोने ने छुड़ाए पसीने, चीन में छूट के बाद भी नहीं खरीद रहे गोल्ड

एजेंसी नई दिल्ली

इस समय सोना आसमान छू रहा है। इसकी कीमत इतनी तेजी से बढ़ रही है कि यह आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। स्थिति यह है कि सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि एशिया के कुछ बड़े बाजारों में सोने की मांग इस हफ्ते कम रही। सोने की बढ़ती कीमत को काबू में रखने के लिए चीन में सोने पर छूट दी जा रही है। इस समय यह छूट पिछले नौ महीनों में सबसे ज्यादा हो गई है। स्पॉट गोल्ड की कीमत मंगलवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। ये 3,673.95 डॉलर प्रति औंस तक चली गई। चीन में डीलरों ने ग्लोबल बेंचमार्क स्पॉट कीमतों पर 17-24 डॉलर प्रति औंस की छूट दी। पिछले हफ्ते यह छूट 12 से 16 डॉलर थी। इसका कारण है कि लोग सस्ती दर पर सोना खरीदें और इसकी मांग बनी रहे। बावजूद इसके मांग में तेजी नहीं आई है। एक स्वतंत्र विश्लेषक रॉस नॉर्मन ने कहा कि सोने की लगभग रिकॉर्ड कीमतें चीन में सोने की मांग पर भारी पड़ रही हैं, खासकर गहनों की मांग पर। उन्होंने आगे कहा कि शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज में फिजिकल गोल्ड होल्डिंग्स लगातार बढ़ रही हैं और अब 50 मीट्रिक टन से अधिक हो गई हैं। शंघाई गोल्ड एक्सचेंज पर ट्रेडिंग वॉल्यूम भी चार महीने के उच्च स्तर पर है। इसका मतलब है कि लोग सोना खरीद तो रहे हैं, लेकिन गहने कम और निवेश के तौर पर ज्यादा। वहीं दूसरी ओर चीन के सेंट्रल बैंक ने अगस्त में लगातार 10वें महीने सोने की खरीदारी जारी रखी। भारत में सोने की घरेलू कीमतें शुक्रवार को 109,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहीं। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 109,840 रुपये तक पहुंच गई थीं, जो एक रिकॉर्ड है। डीलरों ने आधिकारिक घरेलू कीमतों पर 6 डॉलर की छूट और 2 डॉलर का प्रीमियम दिया। इसमें 6% इम्पोर्ट और 3% सेल्स लेवी शामिल हैं। पिछले हफ्ते ये छूट 12 डॉलर तक थी। इसका मतलब है कि भारत में सोना थोड़ा महंगा हो गया है।

पितृपक्ष में घर के इन स्थानों पर जलाकर देखें आटे का दीपक, पितर होंगे प्रसन्न और कंगाली होगी दूर

पितृपक्ष की हिंदू धर्म में विशेष मान्यता होती है, जिसका आरंभ 7 सितंबर से हो चुका है। इस अवधि में लोग अपने पूर्वजों के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंड दान करते हैं। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा जातक पर बनी रहती है। वहीं, अगर आप पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों को याद करते हुए घर के कुछ स्थानों पर रोज आटे का दीपक जला दें, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, पितृदोष से छुटकारा मिलता है और घर की समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि किन-किन स्थानों पर आटे का दीपक जलाना चाहिए। पितृपक्ष के दौरान अपने घर के मुख्य द्वार पर रोजाना आटे का दीपक रखना बेहद शुभ माना जाता है। यह उपाय शाम के वक्त जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। अगर आप पितृपक्ष में मुख्य द्वार पर आटे का दीपक जलाते हैं, तो इससे पूर्वज बेहद प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा परिवार के सभी सदस्यों पर बनी रहती है। साथ ही, पितृपक्ष में हमेशा मेन गेट को साफ सुथरा रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, दक्षिण दिशा को पितरों और यमराज की दिशा माना जाता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों को याद करते हुए एक आटे का दीपक घर की दक्षिण दिशा में जरूर जलाना चाहिए। मान्यता है कि इसके लिए चौमुखी दीपक का प्रयोग करना सबसे उत्तम होता है। ऐसा करने से आपको पितृदोष से छुटकारा मिल सकता है और घर में आने वाली समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। दक्षिण दिशा में चौमुखी दीपक में सरसों का तेल डालकर दीपक जलाने से पूर्वजों की राह में कोई बाधा नहीं आती है और घर से दरिद्रता भी दूर होने लगती है। पितरों की तस्वीर के नीचे जलाएं आटे का दीपक माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान एक दीपक उस स्थान पर अवश्य जलाना चाहिए, जहां आपने अपने पूर्वजों की तस्वीर लगाई हो। ऐसा करने से घर से कंगाली दूर होने लगती है और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो पितृपक्ष में इस उपाय को जरूर करके देखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार के सदस्यों को कभी भी पैसों की तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है। पितृपक्ष के दौरान अपने घर की उत्तर दिशा जिसे ईशान कोण भी कहा जाता है। वहां आटे का दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों पर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और जीवन की समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, शाम को अपनी रसोई में पानी रखने वाले स्थान पर एक दीया जरूर रखें। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा सदैव घर के सदस्यों पर बनी रहती है। इस उपाय से घर जीवन में सुख-समृद्धि आती है और परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बना रहता है।

पितृकर्म और मोक्ष मार्ग से जुड़े हैं, प्रयागराज, काशी और गया तीर्थ

प्रयागराज में ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना से पहले यहां 100 अश्वमेघ यज्ञ किए इसलिए प्रयाग में तर्पण करना विशेष फलदायी है। प्रयागराज में भगवान विष्णु बारह रूपों में विराजमान हैं, जिन्हें द्वादश माधव कहा जाता है। त्रिवेणी संगम में पिंड दान करने से भगवान विष्णु के साथ ही प्रयाग में वास करने वाले तैंतीस करोड़ देवी-देवता भी पितरों को मोक्ष प्रदान करते हैं। धर्मग्रंथों में इस स्थल को तीर्थ राज प्रयागराज की संज्ञा दी गई है। पहला प्रयागराज, काशी मध्य और गया अंतिम द्वार- धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि काशी में शरीर का त्याग, कुरूक्षेत्र में दान एवं गया में पिण्डदान का महत्व, प्रयागराज में मुंडन संस्कार किए बिना अधूरा रहा जाता है। गया, नैमीशारण्य, बद्री धाम, हरिद्वार, काशी, प्रयागराज, पुष्कर, त्रयम्बकेश्वर इत्यादि तीर्थ स्थल पितृकर्म एवं पितृदोष निवारण के लिए सर्वश्रेष्ठ पितृ तीर्थ माने गए हैं। पितृकर्म करने के निमित्त स्थान और तीर्थों का वर्णन पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है। सतयुग में गयासुर नाम के दैत्य ने विष्णु भगवान से वरदान प्राप्त किया कि अनन्तकाल तक सभी देवी-देवता उसके शरीररूपी तीर्थ पर निवास करें और वह सभी का उद्धार कर सके जिसके कारण ब्रह्मा जी का विधान और मर्यादा टूटने लगी। विधि के विधान को बचाने के लिए ब्रह्मा जी ने गयासुर से उसका पवित्र शरीर यज्ञ के निमित्त मांग लिया। विराट शरीरवाले गयासुर ने वहीं भूमि पर शयन किया और भगवान विष्णु ने उसपर अपने चरण रखकर उसे वहीं स्थिर कर दिया। भगवान विष्णु के वरदान अनुसार जो मनुष्य गयासुर रूपी स्थल पर आकर अपने पूर्वजों का श्राद्ध करता है, उसके कुल का उद्धार होता है, तभी से गयासुर का शरीर यज्ञ स्थल को गयाजी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसके शरीर के तीन भाग किए, उसका सिर बद्रीधाम में गिरा, नाभि नैमीषारण्य में और चरण गया में गिरे जिससे ये सभी तीर्थ श्राद्ध, तर्पण, पिण्डदान इत्यादि पितृकर्मों से पितरों का उद्धार करने लगे।

तुलसी की गंध से प्रसन्न होते हैं सभी पितृ देवता

धर्मशास्त्रों में श्राद्ध के दौरान तुलसी के महत्व को बताया गया है, जिसकी गंध से पितृ प्रसन्न होते हैं और विष्णु लोक जाते हैं। श्राद्ध में काले तिल, जौ, चावल, और गाय के दूध से बने पदार्थ प्रशस्त माने जाते हैं। श्राद्ध करते समय किस सामग्री का प्रयोग करना चाहिए, किसका नहीं, इन सब बातों की जानकारी प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है, श्राद्ध में तुलसी दल के प्रयोग की महिमा भी बताई गई है।

पिण्डदान में तुलसी दल से पितरों की तृप्ति प्रलय तक रहती है तुलसी और श्राद्ध, एक पत्ता, अनन्त कल्याण कैसे तुलसी दल बनता है पितृ तृप्ति का दिव्य साधन धर्मशास्त्रों में श्राद्ध में तुलसी दल की महिमा का बखान मिलता है, तुलसी दल की गंध से पितृ प्रसन्न होकर गरुड़ पर आरूढ़ हो विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी दल से पिण्डार्चन किए जाने पर पितृ लोग प्रलय पर्यन्त तृप्त रहते हैं। इस विषय में धम शास्त्रों का प्रमाण है, तुलसीगन्धमाघ्राय पितरस्तुष्टमानसाः। प्रयान्ति गरुडारूढ़ास्तत्पदं चक्रपाणिनः।। (प्रयोगपारिजात क0)

पितृपिण्डार्चनं श्राद्धै यैः कृतं तुलसीदलैः। प्रीणिताः पितरस्तेन यावच्चन्द्रार्कमेदिनी।।

श्राद्ध करते समय इन बातों का भी रखें ध्यान तिल को देव अन्न कहा गया है, काला तिल ही वह पदार्थ है जिससे पितृगण संतुष्ट होते हैं, इसलिए काले तिल से ही श्राद्धकर्म करने का विधान है श्राद्ध क्रिया दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके ही करनी चाहिए। श्राद्ध बिना आसन के नहीं करना चाहिए, कुशा के आसन को श्रेष्ठ माना गया है, लकड़ी के पट्टे को आसन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है लेकिन उसमें लोहे की कील नहीं लगी होनी चाहिए, ऊन, रेशम के आसन का भी प्रयोग किया जा सकता है, ऐसा श्राद्धकल्पलता में विवरण प्राप्त होता है। श्राद्ध में प्रशस्त अन्न-फलादि- श्राद्ध में तिल, जौ, सांवां, चावल, गेहूं, गाय के दूध एवं उससे बनी हुई वस्तुएं, मधु, चीनी, महाशाक, बेल, आंवला, अंगूर, कटहल, अनार, अखरोट, कसेरू, नारियल, खजूर, नारंगी, बेर, सुपाड़ी, अदरक, जामुन, परवल, गुड़, कमलगट्टा, नींबू, पीपल आदि शाक श्राद्ध में प्रशस्त कहे गए हैं, जिनका प्रमाण वायु पुराण, श्राद्धचन्द्रिका, श्राद्धविवेक, श्राद्धप्रकार, श्राद्धकल्प में मिलता है। श्राद्ध में निषेध अन्न- कोदो, चना, मसूर, बड़ा उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, टेंटी, कैथ, खीरा, काला नमक, लौकी, कुम्हड़ा, बड़ी सरसों, काली सरसों की पत्ती, शतपुष्पी और कोई भी बासी, गला-सड़ा, कच्चा, अपवित्र फल या अन्न निषिद्ध है। भोजन पात्र- धर्मशास्त्रों के अनुसार सोने, चांदी, कांसे और ताम्बे के पात्र उत्तम हैं, इनके अभाव में पीतल से काम लेना चाहिए, पर केले के पत्ते में श्राद्ध भोजन सर्वथा निषेध है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये हाथ से बने हुए मिटटी के बर्तनों का प्रयोग करना चाहिए। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार मिट्टी के बने हुए बर्तनों के अलावा लकड़ी के बर्तन, पत्तों के दोने (केले के पत्ते का नहीं हों) का भी प्रयोग किया जा सकता है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये चांदी के बर्तनों का प्रयोग विशेष महत्वपूर्ण माना गया है, सोने, ताम्बे और कांसे के बर्तनों का भी प्रयोग किया जा सकता है लेकिन लोहे के बर्तनों का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए।

आर्थिक राशिफल : गौरी योग का शुभ संयोग वृषभ कन्या समेत कई राशियों को लाभ

मेष राशि व्यापार के मामले में की गई यात्राओं से आपको सामान्य लाभ प्राप्त होगा। ऐसे में आप इन्हें अभी के लिए टाल भी सकते हैं। कार्यक्षेत्र में दिन के समय उच्च अधिकारी से किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। ऐसे में आपको वाणी पर संयम रखना होगा, अन्यथा किसी कानूनी मामले में फंस सकते हैं। व्यवसाय के क्षेत्र में योजनाएं पूरी होने से लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी से अनबन हो सकती है। वहीं, व्यवसाय के क्षेत्र में भी किसी व्यापारी से बहस होने की संभावना है। लेकिन आप समझदारी और चतुराई से स्थिति को संभाल लेंगे और कार्यस्थल पर विरोधी परास्त होंगे। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने की संभावना है और समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। आप घर के जरूरत का सामान खरीदने भी जा सकते हैं।

मिथुन राशि व्यवसाय के क्षेत्र में किसी काम या बात को लेकर आपका मन दुखी रह सकता है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी कुछ रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन धीरे-धीरे स्थिति बेहतर होती जाएगी। आर्थिक मामलों में आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा। जल्दबाजी में निर्णय लेने से नुकसान हो सकता है। आप किसी मंगलमय समारोह में शामिल हो सकते हैं।

कर्क राशि व्यापार के मामले में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। सहयोगियों के साथ से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे और जीवनसाथी का भी पूरा सहयोग मिलेगा। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर उन्नति मिलेगी और प्रमोशन होने की भी संभावना है। इससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन अधिक मेहनत करने से थकान महसूस हो सकती है। पारिवारिक मामले में दिन शांतिपूर्ण रहेगा।

सिंह राशि आपका दिन मिलाजुला रहने वाला है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको प्रयास करते रहना होगा। कार्यक्षेत्र में रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। समाज में सम्मान बढ़ेगा, लेकिन व्यापार के मामले में आपको सतर्क रहना होगा। कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा।

कन्या राशि आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और धन लाभ के भी शुभ योग बन रहे हैं। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हालांकि, आपके उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ विपरीत परिस्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन आप जल्द ही इनसे बाहर निकल जाएंगे। शाम के समय मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि आपको सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है, जिससे आप खुश रहेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा और समाज में सम्मान बढ़ेगा। लेकिन यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा क्योंकि, किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय है। परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ होगा।

वृश्चिक राशि नौकरी करने वालों के अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। जिससे विरोधियों को थोड़ी परेशानी होगी। व्यापार के मामले में भी दिन अनुकूल रहेगा और आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कुछ समय आप दूसरों की मदद करने में भी व्यतीत कर सकते हैं। जिससे आपको संतुष्टि महसूस होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निवेश करने से लाभ हो सकता है।

धनु राशि कार्यक्षेत्र में आपके लिए कुछ विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन अपने धैर्य और मधुर वाणी से आप वातावरण को सामान्य बना सकते हैं। व्यापार में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा और किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आपको किसी व्यक्ति के चलते समस्या का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में भी विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।

मकर राशि व्यापार के मामले में आपको किसी नई डील के चलते अचानक लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको इस समय कोई भी जोखिम भरा निर्णय लेने या कार्य करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। यात्रा के समय भी सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं, नौकरी करने वाले अपने जरूरी कार्यों के समाप्त करने में व्यस्त रहेंगे। परिवार में किसी सदस्य की अचानक सेहत बिगड़ सकती है।

कुंभ राशि आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार के मामले में भी बड़ी सफलता मिल सकती है और कार्यक्षेत्र में चल रहे विवाद बातचीत से सुलझा सकते हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा। परिवार में खुशनुमा माहौल रहने से खुश रहेंगे।

मीन राशि युवा वर्ग के लिए दिन बेहद अच्छा रहने वाला है। अगर आपने करियर की अभी शुरुआत की है, तो आपको कार्यस्थल पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार के मामले में नई योजनाएं बन सकती हैं और निवेशों से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में संतान की ओर से आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

इस चमत्कारी पाठ से जाग उठेगी सोई किस्मत, पाएं सुरक्षा और अपार धन

नवरात्रि के पावन मौके पर मां दुर्गा की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। वैसे तो मां दुर्गा हमेशा अपने भक्तों के साथ होती हैं, लेकिन नवरात्रि में मां अपने भक्तों के सबसे करीब होती हैं और भक्तों के दुख दूर करती हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की आराधना की जाती है। हालांकि मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए कभी भी उनकी पूजा-उपासना की जा सकती है। इनमें दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ करने का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि में दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ करना शुभ माना जाता है। क्योंकि नवरात्रि के पावन मौके पर दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ करने से कई गुना शीघ्र फल मिलता है। दुर्गा सहस्त्रनामावली में देवी के एक हजार नामों की सूची है। वहीं इन नामों से हवन करने का भी विधान है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ कैसे करना चाहिए और इसका पाठ करने से क्या लाभ होते हैं। दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ करने से पहले स्नान आदि करके स्वच्छ कपड़े पहनें। फिर पूजा के लिए शांत और स्वच्छ स्थान का चयन

करें। इसके बाद चौकी पर लाल कपड़ा बिछाकर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करें। वहीं स्वयं के बैठने के लिए कुशा के आसन का उपयोग करें। वहीं अब मां दुर्गा का स्मरण करते हुए उनके सम्मुख घी का दीपक जलाएं। फिर मां दुर्गा को फूल, अक्षत, नैवेद्य आदि अर्पित करें। इसके बाद दुर्गा सहस्त्रनामावली पाठ करने का संकल्प लें। अब एकाग्रचित मन से दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ शुरू करें और इस दौरान ध्यान रखें कि उच्चारण स्पष्ट और सही हो। पाठ के समाप्त होने के बाद मां दुर्गा की आरती करें। वहीं पूजा में किसी भी तरह की भूलचूक के लिए क्षमायाचना करें।दुर्गा सहस्त्रनामावली का रोजाना पाठ करने से जातक को आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। इसका पाठ करने से कारोबार में वृद्धि और आर्थिक स्थिरता आती है। इसका पाठ करने से भूत-प्रेत, नकारात्मक ऊर्जा और पिशाचों से रक्षा करता है। दुर्गा सहस्त्रनामावली का पाठ करने से जाकत के चारों ओर एक दिव्य सुरक्षा कवच बनता है। जिस कारण जातक से हर बुरी शक्ति दूर रहती है और घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सोयाबीन की फसल में कीट और बीमारी का प्रकोप

मुलताई में किसानों ने की तत्काल सर्वे और मुआवजे की मांग

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मध्य प्रदेश के मुलताई क्षेत्र में खरीफ सीजन 2025 की सोयाबीन फसल को भारी नुकसान हो रहा है। लगातार बारिश के कारण खेतों में पीला मौजेक रोग फैल गया है। साथ ही पत्तों और फलियों पर इल्लियों का प्रकोप भी देखा जा रहा है। आज शुक्रवार दोपहर 3:00 बजे मुलताई के पूर्व विधायक डॉक्टर सुनीलम के नेतृत्व में किसान संघर्ष समिति के बैनर तले दर्जनों किसानों ने तहसीलदार संजय बारिया को ज्ञापन सौंप कर जल्द सर्वे की मांग की है।

मुलताई के पूर्व विधायक डॉ सुनीलम ने बताया कि मुलताई सहित परमंडल, सर्रा, हेटी,बानूर,जूनापानी, सुखाखेड़ी, मोही, बुकाखेड़ी, सुखाखेड़ी,दुनावा सहित अन्य गांव में अभी तक सर्वे शुरू नहीं हो पाया है। डॉ सुनीलम ने कहा कि किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ यूरिया खाद की कमी से फसल की बढ़वार प्रभावित हुई है। दूसरी तरफ असंतुलित बारिश ने कई गांवों में फसल को नुकसान पहुंचाया है। पिछले वर्ष 2023-24 में भी प्राकृतिक आपदा और सूखे से फसलें प्रभावित हुई थीं। लेकिन अब तक किसानों को न तो बीमा राशि मिली है और न ही मुआवजा। किसानों ने मध्यप्रदेश सरकार को पत्र लिखकर तत्काल सर्वे कराने की मांग की है। सुनीलम ने बताया कि कलेक्टर ने सर्वे के आदेश दे दिए हैं,लेकिन 25 गांव में अभी तक पटवारी का दल नहीं पहुंचा है। किसानों जगदीश दौड़के, कैलाश सिसोदिया हेमराज देशमुख का कहना है कि समय पर मुआवजा नहीं मिलने से वे कर्ज में डूब रहे हैं। इससे आगामी रबी सीजन की बुवाई भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से गांव-गांव में सर्वे कराकर नुकसान का आंकलन करने और शीघ्र राहत राशि देने की मांग की है।

मुलताई सांदीपनि स्कूल की बसें सड़क पर खड़ी हो रहीं यातायात प्रभावित, प्ले ग्राउंड में पार्क होने से खिलाड़ियों ने जताई नाराजगी

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई नगर के एकमात्र मिनी स्टेडियम में सांदीपनि एक्सीलेंस स्कूल की बसों की पार्किंग से विवाद खड़ा हो गया है। स्कूल प्रबंधन ने मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या से बचने के लिए बसों को मैदान में खड़ा करना शुरू किया था। खिलाड़ियों ने इस पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि बसों की आवाजाही से मैदान की मिट्टी खराब हो रही है। यह नगर का एकमात्र खेल स्थल है, जहां वे साल भर अभ्यास करते हैं। खिलाड़ी अपनी जेब से खर्च कर मैदान का समतलीकरण करवाते हैं और कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। सरफराज चौहान, दीपू प्रजापति समेत कई खिलाड़ियों ने स्कूल प्रबंधन से वैकल्पिक पार्किंग स्थल का इंतजाम करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर ऐसे ही बसें मैदान में खड़ी होती रहीं तो खेल गतिविधियां पूरी तरह बंद हो जाएंगी। खिलाड़ियों के विरोध के बाद बसों को फिर मुख्य मार्ग पर खड़ा किया जा रहा है। इससे यातायात प्रभावित हो रहा है और बड़े वाहनों के निकलने में परेशानी हो रही है। एक दिन पहले खेल मैदान में बसों को खड़ा किए जाने से मैदान पर टायर के निशान बन गए। अधिवक्ता सौरभ दुबे, कर्ण साहू और पवन पवार का कहना है कि सड़क पर खड़ी बसों से दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यह स्थिति न तो बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उचित है और न ही खिलाड़ियों के लिए। ये बात किसने कही उनका नाम दीजिए थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया का कहना है कि हम शिक्षा विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं और बस की पार्किंग के लिए उचित स्थल की तलाश करने के लिए कहा जाएगा।

बैतूल जिला न्यायालय में जगह की कमी 800 वकीलों और 16 अदालतों के लिए तहसील-एसडीएम कार्यालय की जमीन मांगी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिला न्यायालय में जगह की कमी बड़ी समस्या बन गई है। यह न्यायालय ब्रिटिश काल की पुरानी इमारत में चल रहा है, जो अब वर्तमान जरूरतों के हिसाब से छोटी पड़ रही है। फिलहाल यहां 16 अदालतें काम कर रही हैं। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष अशोक वर्मा ने बताया कि पहले वकीलों की संख्या करीब 50 थी, जो अब बढ़कर 800 हो गई है। वकीलों और पक्षकारों के बैठने की उचित व्यवस्था नहीं है। साथ ही पार्किंग की समस्या के कारण वकील और आम नागरिकों को परेशानी होती है। इस स्थिति को देखते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को पत्र लिखकर तहसील और एसडीएम कार्यालय की जमीन न्यायालय परिसर को देने का अनुरोध किया है। जगह की कमी के कारण नई अदालतें शुरू नहीं हो पा रही हैं और इससे मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। अगर प्रस्तावित जमीन मिल जाती है तो नया भवन बनाया जा सकेगा। इससे वकीलों, पक्षकारों और अदालतों को बेहतर सुविधा मिलेगी और न्यायिक कामकाज तेजी से हो सकेगा।

बैतूल के जनजातीय खिलाड़ियों ने जीते 13 पदक गुना में जूडो प्रतियोगिता कन्या क्रीड़ा परिसर की राखी बारस्कर ने लाया गोल्ड

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

गुना में आयोजित राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में बैतूल जिले के जनजातीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने कुल 13 पदक जीते। इनमें एक स्वर्ण, तीन रजत और नौ कांस्य पदक शामिल हैं। कन्या क्रीड़ा परिसर बैतूल की राखी बारस्कर ने स्वर्ण पदक जीता। नगीना कुमरे और अदिति कुमरे ने रजत पदक हासिल किए। चिचोली के सुमित मर्सकोले ने भी रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कन्या क्रीड़ा परिसर बैतूल की 16 छात्राएं, बालक क्रीड़ा परिसर शाहपुर के 12 छात्र और चिचोली के तीन छात्रों ने हिस्सा लिया। कांस्य पदक विजेताओं में आंचल धुर्वे, रेणुका, सेजल मर्सकोले, उर्मिला कासदेकर, विजेता सेलुकर, खुशबू उइके, रोहित लोखंडे, विकास कासदे और संजय शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि में खेल प्रशिक्षक कैलाश वराठे, राहुल लोखंडे, धनराज गलफट, शिखा अंसारी और लक्ष्मी उइके का योगदान रहा। जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त विवेक पांडे के मार्गदर्शन में टीम ने यह सफलता हासिल की। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को मानसिक, शारीरिक और तकनीकी रूप से तैयार किया।

बैतूल सड़क निर्माण विवाद फिर अदालत में नपा ने PWD की लापरवाही बताई, वादी ने खामियां गिनाईं, अवमानना की तैयारी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में कोतवाली चौक से नेहरू पार्क तक सड़क निर्माण का विवाद एक बार फिर कोर्ट में पहुंच गया है। नगरपालिका ने कोर्ट में जवाब दाखिल कर PWD पर काम में रुचि न लेने का आरोप लगाया है। वादी मनोज राने ने कोर्ट में नया आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क समय सीमा में पूरी नहीं हुई। सड़क को जमीन से 10 इंच ऊपर बनाया गया है। इससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। जल निकासी की व्यवस्था भी सही नहीं है। नगरपालिका परिषद ने अपने जवाब में कहा कि लल्ली चौक तक सड़क और जल निकासी का काम पूरा हो चुका है। सिर्फ 100-150 मीटर में टॉप लेयर डामर का काम बाकी है। यह काम बरसात खत्म होते ही पूरा कर दिया जाएगा। परिषद ने काम में देरी की वजह अतिक्रमण, त्योहारों की भीड़ और जिला पंचायत के कार्यों को बताया है। नपा ने जवाब के बिंदु 10 में कहा कि केस में अनावेदक की अनुपस्थिति और अभिरुचि भी निर्माण में बाधा पैदा कर रही है। यह मामला 2021 से चल रहा है। तब मनोज राने ने स्थायी लोक अदालत में सड़क की खराब स्थिति की शिकायत की थी। अदालत ने अगस्त 2022 में छह महीने में उच्च गुणवत्ता का सड़क निर्माण करने का आदेश दिया था। काम पूरा न होने पर 2023 में वादी ने निष्पादन याचिका दायर की। अब नए आवेदन में निर्माण की खामियों और देरी का मुद्दा उठाया गया है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मटसेनियां ने कहा कि सड़क का अधिकांश काम पूरा हो चुका है, अब सिर्फ चौराहे का सौंदर्यीकरण बाकी है। वहीं पीडब्ल्यूडी की ईई प्रीति पटेल ने ऑन कैमरा बयान देने से इनकार किया, लेकिन इतना कहा कि यह सड़क विभाग को 2024 में सौंपी गई थी

मुलताई में छह से ज्यादा आवारा पशु पकड़े, गोशाला भेजा आए दिन हादसों की वजह से नगर पालिका की टीम ने शुरू किया अभियान

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई में बेसहारा मवेशियों की समस्या से निपटने के लिए नगरपालिका ने कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रमुख मार्गों और वार्डों की गलियों में मवेशियों का जमावड़ा आम हो गया था। इससे राहगीरों को चोटें लग रही थीं और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया था। शुक्रवार नगर पालिका द्वारा अभियान शुरू कर आधा दर्जन से ज्यादा बेसहारा मवेशियों को पकड़कर गोशाला पहुंचाया है। फव्वारा चौक, गांधी चौक, किसान स्तंभ, बैतूल रोड और ऑटो स्टैंड पर शाम और रात को मवेशियों का जमघट लगता है। साप्ताहिक बाजार में खरीदारी करने वालों को परेशानी होती है। महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। मवेशियों की अचानक भागदौड़ से अफरा-तफरी मच जाती है। नगर वासियों ने लंबे समय से इस समस्या के समाधान की मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि नगर पालिका के पास कैटल कैचर है, लेकिन इसका प्रभावी उपयोग नहीं हो रहा था। वे चाहते हैं कि पकड़े गए मवेशियों को कांजी हाउस में रखा जाए। साथ ही लापरवाह पशु मालिकों पर कार्रवाई की जाए। नपा उपयंत्री महेश त्रिवेदी के अनुसार, आवारा मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में रखा जाएगा। पशु मालिकों को मवेशियों को खुले में न छोड़ने की हिदायत दी जाएगी। लापरवाही करने वालों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर वासियों को उम्मीद है कि इस अभियान से सड़कों पर मवेशियों का आतंक कम होगा। इससे दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। अब नपा की कार्रवाई की प्रभावशीलता और इसके दीर्घकालिक प्रभाव पर सबकी नजर है।

खेत में लगी थी धान, पोर्टल में दर्ज किया गन्ना बैतूल में किसान ने की शिकायत, तहसीलदार बोले- जांच करेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले में किसानों को अपनी वास्तविक फसल रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ग्राम कुम्हारटेक के एक किसान ने आरोप लगाया है कि उनकी मेहनत की उपज को नजरअंदाज कर पोर्टल पर गलत फसल चढ़ाई गई और पटवारी-सर्वेयर की ओर से पैसे की मांग की गई। ग्राम किलाखण्डारा निवासी किसान पंकज राठौर ने तहसीलदार बैतूल से शिकायत कर बताया कि उनकी कृषि भूमि खसरा नंबर 38/2, रकबा 1 हेक्टेयर पर इस वर्ष धान की फसल बोई गई थी। इसके बावजूद पोर्टल पर गन्ने की फसल दर्ज कर दी गई। किसान का आरोप है कि गिरदावरी के लिए पटवारी द्वारा लगाए गए लड़के किसानों से फसल दर्ज कराने के बदले रुपए मांगते हैं। जिन किसानों ने रुपए दिए, उनके खेतों में धान न होने पर भी पोर्टल में धान दर्ज हुआ, जबकि वास्तविक धान बोने के बावजूद उनकी जमीन पर गन्ना दिखा दिया गया। पंकज राठौर का कहना है कि उन्हें पोर्टल पर निर्धारित वैधानिक शुल्क देने में आपत्ति नहीं है, लेकिन अतिरिक्त अवैध वसूली किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच कर दोषी पटवारी और सर्वेयर पर सख्त कार्रवाई की जाए और वास्तविक फसल पोर्टल पर दर्ज की जाए, ताकि भविष्य में मुआवजा, बीमा या अन्य योजनाओं में दिक्कत न आए। इस मामले में तहसीलदार जीडी पाठे ने कहा कि शिकायत की जांच के निर्देश पटवारी अजय को दिए गए हैं। विभाग भी रेंडमली गिरदावरी की जांच करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी दावे-आपत्ति का समय बाकी है, ऐसे में किसानों की सही जानकारी दर्ज कराने का अवसर उपलब्ध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949